रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्षः01 | अंकः27 | शनिवार,27 सितम्बर

ब्रीफ न्यूज

राज्यपाल ने लाल कृष्णु आडवाणी से की मुलाकात

एजेंसी

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी से शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने आडवाणी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

राज्य के विभिन्न जिलों में 30 सितंबर और एक अक्टूबर कोबारिश की संभावना

एजेंसी

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को दी गयी है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान राज्य के कई इलाकों में गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मंझरी में 21 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 34.6 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रांची और आसपास के इलाकों में शुक्रवार को सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि, बीच-बीच में धूप भी खिली रही। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री, जमशेदपुर में 32.7डिग्री, डालटेनगंज में 30.4 डिग्री, बोकारो में 33.2 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्रीसेल्सियस रिकार्ड किया गया।

गिरिडीह में हुआ सड़क हादसा, 4 लोगों की गई जान, कई घायल

शुक्रवार को गिरिडीह जिले के टुंडी मुख्य मार्ग पर ताराटांड़ थाना क्षेत्र में भीषण दुर्घटना हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बड़कीटांड़ मोड़ के समीप ट्रक व पिकअप में आमने-सामने टक्कर से हुआ, जिसमें पिकअप वैन में सवार लोग ट्रक के नीचे दब गए। बताया जाता है कि दोपहर में हुई घटना के बाद ट्रक पलट गया, जबकि वैन भी पलट कर सीधी हो गई। मृतकों में एक गिरिडीह के मनकडीहा व शेष ताराटांड़ थाना के रानीटांड़ गांव निवासी थे। सभी दुर्गा पूजा में घर जा रहे थे। इनमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिसमें दो धनबाद के निरसा निवासी हैं।

मुख्यमंत्री ने आरआर स्पोर्टिंग क्लब और पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति के पंडाल का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा से समस्त राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, प्रगति एवं खुशहाली की कामना की

संवाददाता। रांची

रांचीःरांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को रांची के रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब और हरमू स्थित पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति के पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मां दुर्गा के दरबार में शीश नवाकर समस्त राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मीडिया के प्रतिनिधियों को

सम्बोधित करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दुर्गा पूजा का उत्साह चरम पर है। रिमझिम बारिश के बीच सभी मातारानी के भक्त काफी उमंग और उत्साह के साथ दशहरे

का पावन त्योहार मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी के जीवन में मां दुर्गा की कृपा हमेशा बनी रहे। झारखंड प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे। इस अवसर पर झामुमो के प्रवक्ता विनोद पांडेय, मनोज पांडेय, विक्की यादव सहित समिति के अन्य लोग मौजूद थे।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शारदीय नवरात्र के चौथे दिन आरआर स्पोर्टिंग क्लब, रातू रोड के दुर्गा पूजा पंडाल का अनावरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मातारानी के दरबार में शीश नवाकर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, प्रगति और खुशहाली की

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शारदीय नवरात्र के चौथे दिन आरआर स्पोर्टिंग क्लब, रातू रोड के दुर्गा पूजा पंडाल का अनावरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मातारानी के दरबार में शीश नवाकर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, प्रगति और खुशहाली की कामना की।

बिहार में महिला रोजगार योजना लॉन्च करने के बाद पीएम मोदी बोले

आपके दो भाई- नरेंद्र और नीतीश

75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये हस्तांतरित

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि यानी कुल 7,500 करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सपनों को पूरा करने और उन्हें आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने को लेकर संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए योजना का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पावन दिनों में उन्हें बिहार की नारी शक्ति के साथ उनकी खुशियों में शामिल होने का अवसर मिला है। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाई की खुशी तभी होती है जब उसकी बहन स्वस्थ, सुखी और आत्मनिर्भर हो। यही भावनाएं उन्हें और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महिलाओं के हित में योजनाएं लाने के लिए प्रेरित करती हैं। आज आपके दो भाई- नरेन्द्र और नीतीश- दोनों मिलकर आपकी सेवा, आपकी समृद्धि और आपके स्वाभिमान के लिए काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना भी इसी का उदाहरण है। हर परिवार की एक महिला को इसका लाभ अवश्य मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में भ्रष्टाचार इतना गहरा था कि दिल्ली से भेजा गया एक रुपया भी पूरा लाभार्थी तक नहीं पहुंचता था। उन्होंने याद दिलाया, एक पूर्व प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से अगर एक रुपया भेजा जाता है तो केवल 15 पैसा ही जनता तक पहुंचता है, बाकी 85 पैसा पंजा मार लेता है। लेकिन आज जो 10-10 हजार रुपये आपके खातों में भेजे गए हैं, उन्हें कोई लूट नहीं सकता। उन्होंने कहा कि राजद के शासनकाल में अराजकता, नक्सली हिंसा और भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा मार बिहार की महिलाओं को झेलनी पड़ी। मोदी ने कहा, वो दिन याद कीजिए जब बिहार की सड़कें टूटी-फूटी थीं, पुल-पुलिया गायब थे। बाढ़ के समय गर्भवती महिलाएं अस्पताल नहीं पहुंच पाती थीं। आज नीतीश कुमार के नेतृत्व में कानून का राज लौटा है और महिलाएं बेखौफ होकर घरों से निकल पा रही हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार के लखपति दीदी अभियान को भी नई मजबूती देगी। देश में तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 'अब तक दो करोड़ से अधिक बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। उनकी मेहनत से गांव और समाज का चेहरा बदला है और परिवार का रुतबा भी बढ़ा है।' उन्होंने बताया कि केंद्रसरकार की मुद्रा योजना, ड्रोन दीदी अभियान, बीमा सखी अभियान और बैंक दीदी अभियान भी महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

जन-धन योजना का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब कोई महिला रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान और बढ़ जाता है। मोदी ने कहा कि यदि 11 साल पहले जनधन योजना न चलाई गई होती और महिलाओं के बैंक खाते न खुले होते, तो आज इतने बड़े पैमानेपर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) संभव नहीं होता। उन्होंने कहा,बैंक खाते को मोबाइल से जोड़ने की वजह से ही बिना किसी बिचौलिए के यह राशि सीधे आपके पास पहुंची है।

दवाओं पर अमेरिकी शुल्क लगने से सेंसेक्स 733 अंक फिसला

एजेंसी

नई दिल्लीःअगले महीने से दवाओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद शुक्रवार को फार्मा एवं आईटी शेयरों में भारी बिकवाली होने से स्थानीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स में 733 अंक और निफ्टी में 236 अंक का नुकसान रहा। एक अक्टूबर से दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद अधिकांश दवा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई और बीएसई हेल्थकेयर सूचकांक 2.14 प्रतिशत नीचे आ गया। वॉकहार्ट के शेयरों में 9.4 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखने को मिली। बता दें कि ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, एक अक्टूबर, 2025 से हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंट-युक्त दवा उत्पाद पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, जब तक कि कोई कंपनी अमेरिका में अपना दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित नकर रही हो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंट प्राप्त दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है जिससे

सबसे अधिक भारतीय कंपनियों के प्रभावित होने की आशंका है। श्री ट्रंप ने गुरुवार को एक पोस्ट में लिखा कि 01 अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जायेगा। इससे सिर्फ उन्हीं कंपनियों को छूट मिलेगी जो अमेरिका में अपना ₹संयंत्र लगा रहे हैं₹। उन्होंने स्पष्ट किया कि ₹संयंत्र लगा रहे हैं₹ से तात्पर्य यह है कि उन्होंने अमेरिका में अपने संयंत्र का शिलान्यस कर दिया है या संयंत्र निमार्णाधीन है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात 21.09 प्रतिशत बढ़कर 978.39 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया था। खासकर भारतीय कंपनियां अमेरिका को जेनरिक दवाओं का बड़े पैमाने पर निर्यात करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला, बुजुर्ग को दिलाया हक

मां–बाप की संपत्ति से बच्चे कभी भी बेदखल हो सकते हैं

एजेंसी

नई दिल्लीःबच्चे कभी भी बेदखल किए जा सकते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने पैतृक संपत्ति पर अहम फैसला सुनाया. जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बैंच ने एक बुजुर्ग को मालिकाना हक दिलाया. बुजुर्ग के बेटे ने अपनी पैतृक जायदाद पर कब्जा कर लिया था और अपने पिता को भी उनमें प्रवेश की इजाजत नहीं दे रखी थी. अभागे पिता
ने बेटे के खिलाफ कोर्ट का रुख किया

था. सुप्रीम कोर्ट ने बेटे को पिता की संपत्ति खाली करने का आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा :मां-बाप के अधिकार बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि परेंट्स और सीनियर सिटीजंस अपनी संपत्ति से बच्चों को कभी भी बेदखल कर सकते हैं. भरण-पोषण एवं कल्याण एक्ट 2007 के तहत गठित ट्रिब्यूनल को परेंट्स और सीनियर सिटीजंस को ऐसे बच्चों को संपत्ति से बेदखल करने का अधिकार देता है जो उन्हें रहने-खाने की जिम्मेदारी देने से भागें. सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के इस मामले में बड़े बेटे के खिलाफ बेदखली के आदेश को भी पलट दिया.बुढ़ापे में देखभाल की जिम्मेदारी नहीं।

एशिया कप 2025: सुपर ओवर में भारत की रोमांचक जीत, श्रीलंका को हराया

एजेंसी

दुबई। भारत ने सुपर-ओवर में श्रीलंका को पहली ही गेंद पर 3 रन दौड़कर हरा दिया है। अपनी-अपनी पारी में दोनों टीमों ने 202 रन बनाए थे। सुपर-ओवर में अर्शदीप सिंह ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को सिर्फ 2 रन बनाने दिए। इसी के साथ 2025 एशिया कप में टीम इंडिया का अजेय रिकॉर्ड बरकरार है, जबकि श्रीलंका सुपर-4 में एक भी मैच नहीं जीत सकी। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के सामने 203 रनों का टारगेट रखा था। श्रीलंका ने इस टारगेट को हासिल करने की पूरी कोशिश की लेकिन अंत में वह भी 202 रन ही बना पाए। भारतीय टीम की तरफ से अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। वहीं श्रीलंका की तरफ से पथुम

निसंका सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 107 रन बनाए। सुपर ओवर की बात करें तो वहां श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। श्रीलंका की टीम को पहली गेंद पर पहला झटका लगा। कुसल परेरा बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद दूसरी गेंद पर कमिंडु मेंडिस ने एक रन लिया। इसके बाद तीसरा गेंद शनाका ने डॉट खेला। इसके बाद अर्शदीप ने एक वाइड गेंद फेंकी, अगली गेंद पर भी शनाका ने कोई रन नहीं लिया। पांचवीं गेंद पर दसुन शनाका जितेशशर्मा के हाथों कैच आउट हो गए।

न्यूज स्टडी | स्ट्रांग डिफेंस दुश्मन की हर ताकत को करारा जवाब देने का व्यापक प्लान

इंडियन आर्मी के ढांचे को और सशक्त बनाने का रोडमैप तैयार

एजेंसी

चंडीगढ : वायु सेना ने अपनेलड़ाकू विमानों के बेड़े की शान और सबसे ताकतवर विमान रहे मिग-21 लड़ाकू विमान को शुक्रवार को यहां उत्साह और जोश के साथ गौरवपूर्ण विदाई दी। वायु सेना की अब तक की शौर्य गाथा के नायक रहे मिग-21 को 62 वर्ष पहले चंडीगढ एयर बेस में ही 28 स्क्वैड्रन में वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया था और आज उसी चंडीगढ एयरबेस से इस विमान ने अपनी अंतिम उडान भरी और लैंडिंग की। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने स्वयं मिग-21 विमान में उडान भर उसे अंतिम सलामी दी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ,प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान , नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी तथा अन्य गणमान्य हस्तियां और मिग- 21 के पूर्व पायलट

भी मौजूद थे। इस अवसर पर देश में ही बने तेजस लड़ाकू विमान ने मिग -21 के साथ उडान भरी और प्रतीकात्मक रूप से मिग-21 ने भारतीय आसमान की रक्षा की जिम्मेदारी तेजस को सौंपी। अन्य विमानों ने भी उडान भर कर आसमान से मिग-21 को सलामी दी। बाद में आज उडान भरने वाले सभी मिग-21 विमानों को पारंपरिक सम्मान के रूप में वाटर कैनन सलामी भी दी गयी। इसके बाद विमान की कॉकपिट से बाहर निकलकर सभी पायलटों ने परंपरानुसार अपने अपने विमानों का निरीक्षण किया। ये विमान अब विरासत उडान का हिस्सा बन जायेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने सभी पायलट से मुलाकात की। अंत में मिग-21 विमानों के रख रखाव के दस्तावेज वायु सेना प्रमुख को सौंपे गये। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर सेना डाक सेवा के विशेष दिवस आवरण को जारी किया। इस आवरण पर मिग-21 विमान की तस्वीर अंकित है। इस आवरण पर श्री सिंह ने भी हस्ताक्षर किये। वायु सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री को मिग-21 विमान का ए हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता ने साबित कर दिया कि दुश्मनों ने भारत की ओर आंख उठाई तो करारा जवाब मिलेगा। इस ऑपरेशन को सफल अंजाम तक पहुंचाने केसमय कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। अब इनसे निपटने के लिए गंभीरता के साथ भारतीय सेना को और मजबूती प्रदान करने कीरणनीति पर काम शुरू हो चुका है।

आईएएफ के लड़ाकू विमान मिग-21 ने भारतीय आसमान में आखिरी बार भरी उड़ान

संवाददाता रांची

चंडीगढ : शुक्रवार को छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे प्रसिद्ध लड़ाकू विमान मिकोयान-गुरेविच मिग-21 ने अंतिम बार भारतीय आकाश में उड़ान भरी और इसकी विदाई इतिहास और स्मृतियों में दर्ज हो गई। इस मौके पर सूरज चमक रहा था, आसमान साफ और चमकदार नीला था, जो 1960 के दशक में भारतीय वायुसेना में शामिल किए गए रूसी मूल के युद्धक विमान को भव्य विदाई देने के लिए एक आदर्श नजारा था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिग-21 को एक शक्तिशाली विमान और राष्ट्रीय गौरव बताते हुए कहा कि इस विमान के प्रति गहरा लगाव है, जिसने

हमारे आत्मविश्वास को आकार दिया है। मंत्री ने कहा, 'मिग-21' केवल एक विमान या मशीन ही नहीं है, बल्कि यह भारत-रूस के मजबूत संबंधों का प्रमाण भी है। सिंह ने समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, सैन्य विमानन का इतिहास अद्भुत है। मिग-21 ने हमारी सैन्य विमानन यात्रा में कई गौरवपूर्ण क्षण जोड़े। उन्होंने कहा, विश्व के सैन्य विमानन के इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में कोई लड़ाकू विमान नहीं बनाया गया है। सिंह ने कहा कि विश्व में 11,500 से अधिक मिग- 21 विमान बनाए गए और उनमें से 850 लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना का हिस्सा बने। उन्होंनेकहा, यह संख्या इस विमान की लोकप्रियता, विश्वसनीयता और बहुआयामी क्षमता का प्रमाण है।

राजधानी रांची के दुर्गा पूजा पंडालों में कहीं कठपुतली तो कहीं स्वामीनारायण मंदिर का प्रारूप देख श्रद्धालु हो रहे मंत्रमुग्ध

रांची, संवाददाता ।

शारदीय नवरात्र को लेकर राजधानी रांची का माहौल भक्तिमय हो गया है. शहर की अलग-अलग पूजा समितियों ने इस वर्ष एक से बढ़कर एक थीम पर पूजा पंडालों का निर्माण कराया है. किसी पंडाल में लोक कला की झलक देखने को मिल रही है तो कहीं भव्य मंदिरों के प्रारूप पर बने पंडाल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं. कुछ पूजा पंडालों के पट खुल चुके हैं, वहीं कई पंडाल पंचमी और षष्ठी यानी बेलवरण के अवसर पर खुलेंगे.

कठपुतली और ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर पंडाल

बूटी मोड़ स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति का ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न थीम पर बना पूजा पंडाल रांची में चर्चा का विषय बना हुआ है. वहीं शहर के अलग-अलग इलाकों में अनूठे पूजा पंडालों का निर्माण किया गया है. ज्योति संगम पूजा समिति ने इस साल अपने पंडाल को कठपुतली थीम पर सजाया है. पंडाल के अंदर और बाहर रंग-बिरंगी कठपुतलियां लगाई गई हैं. रोशनी और सजावट के बीच यह पंडाल लोक कला और परंपरा की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है. पूजा समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि इस बार बच्चों और युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों को भी कठपुतली थीम पर बना पंडाल काफी पसंद आ रहा है.

पूजा पंडाल अनेकता में एकता का दे रहा संदेश

वहीं बांधगाड़ी पूजा समिति ने अनेकता में एकता थीम पर पंडाल का निर्माण करवाया है. यहां अलग-अलग संस्कृतियों, परंपराओं और राज्यों की झलक एक ही छत के नीचे दिखाई गई है. पंडाल में प्रवेश करते ही श्रद्धालु अलग-अलग संस्कृति के स्वरूपों को देखते हैं और अंत में मां दुर्गा की प्रतिमा तक पहुंचते हैं. पूजा समिति के सदस्यों का कहना है कि देश की विविधता और एकता को श्रद्धालुओं के सामने प्रस्तुत करना इस बार की खास कोशिश है. यह पंडाल 28 सितंबर को श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा और इसके लिए तैयारी अंतिम चरण में है.

स्वामीनारायण मंदिर के प्रारूप पर पूजा पंडाल

वहीं श्री राम लाल पूजा समिति ने इस बार गुजरात के भुज स्थित स्वामीनारायण मंदिर के प्रारूप पर पूजा पंडाल का निर्माण कराया है. पत्थर जैसे दिखने वाले सजावटी डिजाइन और कलात्मक नक्काशी इस पंडाल को बेहद खास बना रही है. इस पूजा पंडाल का पट खोल दिया गया है और खास बात यह रही कि इस पूजा पंडाल का उद्घाटन कुंवारी कन्याओं द्वारा कराया गया है. उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और कन्याओं द्वारा पूजा पाठ से पूरे वातावरण में भक्ति का रंग भर गया.

शीशमहल और हवामहल की थीम पर पंडाल

इसके अलावा शहर में इस बार शीशमहल और हवामहल जैसी संरचनाओं को भी पंडालों के रूप में तैयार किया गया है. इनकी खासियत यह है कि श्रद्धालु अंदर प्रवेश करते ही चमकदार शीशों और रंगीन कांचों से सजे भव्य आंतरिक हिस्से को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं. वहीं हवामहल जैसी संरचना में खुले झरोखे और राजस्थान की पारंपरिक झलक श्रद्धालुओं को एक अलग ही अनुभव दे रही है.

नवरात्र का उल्लास चरम पर

पूरे शहर में नवरात्र का उल्लास इस समय चरम पर है. श्रद्धालु सुबह से ही अलग-अलग पंडालों में पहुंच रहे हैं और देर शाम तक भीड़ लगातार बनी रहती है. लोग न सिर्फ मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं, बल्कि पंडालों की कला, डिजाइन और थीम को देखकर भी खासे उत्साहित हैं. रांची के निवासी ही नहीं, आसपास के जिलों और ग्रामीण इलाकों से भी लोग इन पंडालों को देखने आ रहे हैं. सुरक्षा-व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन की ओर से भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं. यातायात पुलिस ने भीड़ नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुविधा देने के लिए खास योजना बनाई है. वहीं पूजा समितियों ने भी स्वयंसेवकों की टीम लगाई है, जो श्रद्धालुओं की मदद कर रही है. नवरात्र के अवसर पर राजधानी रांची का हर कोना भक्ति और उल्लास से सराबोर है. इस बार के पंडालों में जहां परंपरा और भक्ति की झलक मिल रही है, वहीं देशभक्ति और आधुनिकता का भी संगम देखने को मिल रहा है. श्रद्धालु हर पूजा पंडाल में अलग-अलग अनुभव लेकर लौट रहे हैं और यही वजह है कि इस बार की दुर्गा पूजा राजधानी के लिए खास बन गई है.

झारखंड हिंदी साहित्य संस्कृति मंच ने मनाया दिनकर जयंती

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हिंदी साहित्य साहित्य संस्कृति मंच के तत्वावधान में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जयंती हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। राज रामगढ़ी द्वारा माँ शारदे की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंच सचिव विनोद सिंह गहरवार ने सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ जे.बी.पाण्डेय (हिंदी विभाग अध्यक्ष राँची विश्वविद्यालय) एवं सम्मानित अतिथि के रूप में मनीषा सहाय सुमन शोभायमान रहीं। वक्ता डॉ पाण्डेय ने राष्ट्रकवि दिनकर को आग, राग से वैराग्य तक के कवि, भारतीय संस्कृति के अग्रदूत, राष्ट्र कल्याण के धर्मनिष्ठ साधु, प्रेम और श्रृंगार के अद्भुत गायक एवं विकृतियों के अभिशाप में प्रचंड पौरुष के तप तेज वाले महाकवि कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच उपाध्यक्ष निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव ने की जिन्होंने ₹हिंदी साहित्य में दिनकर के गद्य एवं पद्य दोनों क्षेत्र में अतुलनीय योगदान एवं आधुनिक युग के वीररस एवं राष्ट्रबोध के सर्वश्रेष्ठ कवि, उदार-दृष्टि-संपन्न इतिहासकार तथा अप्रतिम गद्यकार पर विस्तृत एवं सारगर्भित व्याख्यान देकर कार्यक्रम का मान बढ़ाया। मंच सचिव विनोद सिंह गहरवार ने राष्ट्रकवि को राष्ट्र चेतना के प्रखर पुरुष एव? राष्ट्रभक्ति के नव धर्म प्रणेता बताया। मंच संरक्षक विनय सरावगी के स्नेहिल संरक्षण में मंच दिनोंदिन प्रगति कर रहा है। कार्यक्रम संयोजन मंच संयोजिका ममता मनीष सिन्हा ने तथा संचालन अर्पणा सिंह ने किया। मीडिया संयोजन पूनम वर्मा एवं मंच मीडिया प्रभारी ऋतुराज वर्षा ने किया। जिन कवि-कवयित्रियों ने अपनी कविता से इस कार्यक्रम को सार्थक बनाया, उनमें निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, प्रो.जे.बी. पाण्डेय, विनोद सिंह गहरवार, मनीषा सहाय सुमन, हिमकर श्याम, ममता मनीष सिन्हा, ऋतुराज वर्षा, डॉ सुरेंद्र कौर नीलम, नेहाल हुसैन सरैयावी, अनीता रश्मि, अर्पणा सिंह, पूनम वर्मा,डॉ उर्मिला सिन्हा,गीता सिन्हा गीतांजलि, डॉ रेणुबाला धार,राज रामगढ़ी, कामेश्वर सिंह कामेश, गीता चौबे गूंज, सुनीता अग्रवाल पिंकी, करुणा सिंह, हास्य कवि नरेश बांका (श्रोता) के नाम प्रमुख हैं। कार्यकम अध्यक्ष निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव के अध्यक्षीय संभाषण एवं डॉ सुरेंद्र कौर नीलम के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मांडर, चान्हो और बेड़ों में शांति समिति बैठक में शामिल हुए बंधु तिर्की

रांची, संवाददाता ।

कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की आज मांडर, चान्हो और बेड़ों में आयोजित शांति समिति की बैठकों में शामिल हुए. बैठकों में दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे. इस दौरान श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई. बंधु तिर्की ने कहा कि मां दुर्गा की आराधना और उपासना में भक्त लीन होने को तैयार हैं, ऐसे में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए. उन्होंने विशेष रूप से भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया. पूर्व मंत्री ने जिला प्रशासन से सुरक्षा और स्वच्छता दोनों पर अलर्ट रहने की अपील की. उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए हर किसी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी. बैठक में सभी थाना प्रभारी, पूजा समिति के पदाधिकारी के साथ अजीत सिंह, प्रमोद लाल, मोहम्मद इस्तियाक, मांगा उरांव, करमा उरांव और उप प्रमुख मोद्दसिर हक भी मौजूद रहे.

रांची जेल में रेड : हर बार की तरह सब कुछ मिला सामान्य

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में एक बार फिर से जेल में छापेमारी कर पुलिस और प्रशासन के द्वारा कोरम पूरा कर लिया गया. जेल से ही आपराधिक गतिविधियों का संचालन होता आया है. लेकिन जब भी रांची जेल में छापेमारी होती है सब कुछ सामान्य मिलता है.

औचक छापेमारी में चाकू और कैंची बरामद

रांची पुलिस और जिला प्रशासन ने शुक्रवार की सुबह रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में कई घंटों तक सघन छापेमारी की. छापेमारी के दौरान पुलिस को कोई भी आपत्तिजनक सामान जेल के अंदर नहीं मिला. जिला प्रशासन के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान जेल के अंदर कुख्यात कैदियों सहित अन्य सभी कैदियों के वार्डों को खंगाला गया.

चाकू और कैंची बरामद

प्रशासन और पुलिस की टीम ने अलग-अलग टीम बनाकर जेल के सभी वार्ड, महिला वार्ड, सेल और यहां तक कि जेल अस्पताल की भी गहन जांच की. जेल का चप्पा-चप्पा छान मारा गया लेकिन कहीं से भी किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली, हां जेल के अंदर से चाकू और कैंची जरूर बरामद की गई है.

डीसी-एसएसपी के निर्देश पर रेड

जिला प्रशासन के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर यह छापेमारी अभियान किया गया है. अभियान को सिटी एसपी पारस राणा और सदर एसडीओ उत्कर्ष गुप्ता ने लीड किया. छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक, सदर, कार्यपालक दंडाधिकारी, रांची, थाना प्रभारी सदर, एसडीओ खेलगांव, इसके अतिरिक्त 12 सब इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल थे.

जेल में सब कुछ सामान्य पाया गया

लगभग तीन घंटे तक चली इस लंबी रेड के बावजूद, पुलिस को जेल के भीतर से कोई भी आपत्तिजनक वस्तु या सामग्री बरामद नहीं हुई. प्रशासन के अनुसार, जेल के भीतर सब कुछ सामान्य और नियंत्रण में पाया गया. हर बार की तरह इस बार भी जेल में शांति व्यवस्था बनी रही और किसी तरह की अवैध गतिविधि या सामग्री का खुलासा नहीं हुआ.

झारखंड सरकार ने रद्द की आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा 2023

रांची, संवाददाता ।

झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए झारखंड आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा-2023 को रद्द कर दिया है. विभाग द्वारा जारी संकल्प संख्या-3433 दिनांक 28.08.2025 के अनुसार अब राज्य में पुलिस, कक्षपाल, गृह रक्षा वाहिनी सिपाही एवं उत्पाद सिपाही की नियुक्तियां 'संयुक्त भर्ती नियमावली-2025' के तहत की जाएंगी.

निर्णय के प्रमुख बिंदु

झारखंड आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा-2023 हेतु पूर्व में जारी विज्ञापन संख्या-17/2023 को रद्द कर दिया गया है. इसके साथ ही भर्ती हेतु भेजी गई अधियाचना भी वापस ले ली गई है. नई नियमावली लागू होने के बाद ही नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी.

जिन अभ्यर्थियों ने पहले परीक्षा शुल्क जमा किया था उन्हें आगामी प्रथम संयुक्त भर्ती परीक्षा में शुल्क से छूट दी जाएगी. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) आवेदन प्रक्रिया में इस सुविधा को सुनिश्चित करेगा.

भविष्य में होने वाली संयुक्त भर्ती परीक्षा में सभी श्रेणी के अभ्यर्थियों को अधिकतम उम्र सीमा में अतिरिक्त छूट दी जाएगी. उम्र की गणना के लिए 01.08.2019 को आधार तिथि माना जाएगा - जो कि पूर्ववर्ती विज्ञापन संख्या-17/2023 में दी गई थी.

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका : पारस हॉस्पिटल

हर साल 25 सितंबर को मनाया जाता है विश्व फार्मासिस्ट दिवस

रांची, संवाददाता ।

फार्मासिस्टों के योगदान को सराहने के लिए हर साल 25 सितंबर को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की भूमिका का सम्मान करना है। धुर्वा स्थित पारस एचईसी अस्पताल में इस वर्ष भी 25 सितंबर को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया जिसमें उनका योगदान की सराहना करते हुए सम्मानित किया गया ' वर्ष 2025 का थीम ₹स्वास्थ्य के बारे में सोचें, फार्मासिस्ट के बारे में सोचें₹ है। पारस एचईसी अस्पताल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में फार्मासिस्टों की भूमिका बहुत अहम होती है। फार्मासिस्ट का मतलब दवा की सप्लाई चैन सिस्टम को मजबूत करना है। फार्मासिस्ट, दवाओं के बारे में सबसे ज्यादा जानते हैं। फार्मासिस्ट, मरीजों को दवाएं लेने के बारे में सलाह देते हैं और दवाओं के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में चेतावनी देते हैं। फार्मासिस्ट, दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। पारस हॉस्पिटल के सीनियर मैनेजर अनूप ठाकुर ने कहा एक फार्मासिस्ट लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अपने सभी कर्तव्य करता है, जिसमें दवा की सही पहचान, उसकी रीस्टॉकिंग, एक्सपायरी डेट और दवाओं की उपलब्धता आदि शामिल है, ताकि किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर इसका कोई गलत प्रभाव न पड़े।

आर एंड डी यूनियन का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

रांची, संवाददाता ।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील लिमिटेड में आर एंड डी यूनियन का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। सभी कर्मचारियों ने इस चुनाव में बढ़ झ्र चढ़ कर हिस्सा लिया । इस चुनाव में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमे यूनियन के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार झा, महासचिव श्री उज्जल मण्डल, कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मण कुमार, उपाध्यक्ष श्री अजित कुमार डे एवं सचिव श्री के. पी॰ पात्रा एवं श्री विजय कुमार का चयन किया गया नवनिर्वाचित यूनियन के सभी कार्यकारी सदस्य ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि वे कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। साथ ही कार्यस्थल पर सुविधाओं को पहले से बेहतर बनाने, कर्मचारियों के हितों को बढ़ावा देने और प्रबंधन के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने की दिशा में नई पहल करेंगे।

मनरेगा में अस्तित्व विहीन दुकानों से सप्लाई का भंडाफोड़

रांची, संवाददाता ।

मनरेगा में अस्तित्व विहीन दुकानों से सामग्रियों की सप्लाई का भंडाफोड़ हुआ है. जिला स्तर पर की गयी जांच के बाद मिले तथ्यों के आधार पर ग्रामीण विकास विभाग से कार्रवाई करने की अनुशंसा की गयी है. हालांकि जिला स्तर पर पहले इन दुकानदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अनुशंसा की गयी थी. लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसमें बदलाव किया गया है. उल्लेखनीय है कि मनरेगा से जुड़ी योजनाओं में अस्तित्व विहीन दुकानों से सप्लाई करने की शिकायत मिलने के बाद गुमला जिला प्रशासन ने जांच का आदेश दिया था. इस प्रशासनिक आदेश के आलोक में जिले के कुछ प्रखंडों ने अपने-अपने प्रखंडों में मनरेगा से जुड़ी योजनाओं में सामग्रियों की सप्लाई करने वाले प्रतिष्ठानों की जांच की. जांच के दौरान प्रखंड के अधिकारियों से संबंधित दुकानों के पता पर गये. इसमें कुछ प्रतिष्ठान मिले. जबकि कुछ प्रतिष्ठिान सप्लाई से जुड़े दस्तावेज में दर्ज पते पर नहीं मिले. तीन प्रखंडों में जांच के दौरान मनरेगा में सप्लाई करने वाले छह प्रतिष्ठान अपने पते पर नहीं पाया गये.

इसमें मेसर्स राम साहू, मेसर्स जेजे ट्रेडर्स, मेसर्स भुनेश्वर साहू, मेसर्स माधुरी सेल्स एंड सप्लाई, मेसर्स महबूब आलम, मेसर्स शंभु इंटरप्राइजेज का नाम शामिल है. जांच दल में शामिल सदस्यों ने अस्तित्व विहीन दुकानों से मनरेगा योजना में सप्लाई करने की घटना को नियम विरुद्ध माना. इन दुकानों ने सप्लाई की गयी सामग्रियों पर निर्धारित दर से ऋष्ळ भी नहीं दिया है. प्रखंडों से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पहले इन कागजी प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अनुशंसा की गयी. हालांकि बाद में इसमें बदलाव करते हुए ग्रामीण विकास विभाग से कार्रवाई करने की अनुरोध किया गया. इस मामले में जिला प्रशासन की ओर से लिखे गये पत्र में कहा गया कि अस्तित्व विहीन दुकानों से सामग्रियों की आपूर्ति करना अनियमित है. ऐसे में मनरेगा आपूर्तिकताओं द्वारा ही समय पर राजस्व का भुगतान नहीं किया जाता है. भविष्य में ढूंढने पर दुकान मिलते ही नहीं हैं. ऐसी परिस्थिति में इन दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने में परेशानी होती है. इसलिए इस मामले में सरकार अपने स्तर से फैसला करे.

शारदीय नवरात्र पर श्याम मंदिर में विविध कार्यक्रम होंगे आयोजित

रांची, संवाददाता ।

शारदीय नवरात्र के अवसर पर हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मां भगवती का पूजन अनुष्ठान विधि पूर्वक मंदिर के आचार्य ने यजमान संजीत चौधरी एवं रंजना चौधरी से करवाया । नवरात्र के दैनिक पूजन के बाद बाबा श्याम की श्रृंगार आरती होती है। इसके बाद देवी दुर्गा की आरती में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा एवं अनेक भक्त उपस्थित रहते हैं। ज्ञातव्य है कि श्री श्याम मंदिर में एकम से नवमी तक मां जगत जननी का विधि विधान से पूजा अनुष्ठान एवं प्रातः एवं संध्या कालीन आरती होती हैं।

खाटूनरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार

अश्विन अमावस्या के महास्नान के बाद आज खाटूनरेश का केसर चंदन तिलक श्रृंगार मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के सानिध्य में संपन्न हुआ ।कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए लाल गुलाब डच गुलाब जिप्सी माला रजनीगंधा फूल पीला गेंदा फूल मॉर्गन फुल की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम का अनुपम श्रंगार किया गया। संध्या 5:30 बजे के उपरांत भक्तों ने बाबा के केसर चंदन तिलक श्रृंगार के दर्शन किए। श्याम बाबा को नवीन पोशाक बागा पहनाकर रूह के इत्र से मसाज कर पंचमेवा का भोग लगाया गया। केशर चंदन तिलक श्रृंगार के पश्चात पंचमेवा का प्रसाद वितरण मण्डल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां ने किया। मां भगवती की संध्या कालीन आरती एवं गोपाल भोग आरती में सैकड़ो भक्तों ने अपनी हाजरी लगाई। शनिवार 27 सितंबर को 172 वे श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया गया है मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ को श्री श्याम भंडारे में आमंत्रित किया है।

श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा

नवरात्रि की महाअष्टमी के दिन 30 सितंबर को 173 वा सुंदरकांड हनुमान चालीसा पाठ आयोजित किया जाएगा। सुनील मोदी अपने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे। महानवमी के अवसर पर प्रातः 7:15 बजे से नवमी पूजन अनुष्ठान कराया जाएगा। इसके बाद दैनिक आरती पाठ एवं हवन पूजन का कार्यक्रम किया जाएगा। हवन पूणार्हुति के बाद नवकन्याओं का पूजन भोजन प्रसादी एवं उपहार समर्पण किया जाएगा।

भक्तशिरोमणि आलू सिंह जी महाराज की पुण्यतिथि

दिनांक 2 अक्टूबर प्रातः 9:15 बजे से भक्त शिरोमणि आलू सिंह जी महाराज जिन्होंने श्री श्याम बाबा का प्रचार पूरे भारत एवं विश्व में किया उनकी 36वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि अर्पित कर भजन गाकर भक्त अपनी अर्जी लगाएंगे। शुक्रवार दिनांक 3 अक्टूबर को पापमोचनी एकादशी संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बाबा श्याम का दिव्य श्रृंगार अखंड ज्योति भजनों का कार्यक्रम आयोजित होगा। दिनांक 6 अक्टूबर को श्री श्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। खाटूनरेश को श्वेत पोशाक श्वेत पुष्पों का भव्य श्रृंगार श्वेत प्रसाद श्वेत आभूषण पहनाए जाएंगे जो कि वर्ष में मात्र इसी दिन होता है।

मार्ग तकनीकी समिति की बैठक में नगर प्रशासक ने दिया निर्देश

राजधानी में बिना वैध परमिट वाले वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता । रांची

राजधानी रांची में सुचारू और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित मार्ग तकनीकी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को रांची नगर निगम में हुई। इसकी अध्यक्षता नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। नगर निगम की बाजार शाखा द्वारा प्रस्तावित नए पार्किंग स्थलों पर विचार किया गया। साथ ही तय हुआ कि अपर प्रशासक, उप प्रशासक, डीटीओ और पुलिस उपाधीक्षक संयुक्त रूप से इन स्थलों का भौतिक निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के आधार पर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा। नगर प्रशासक ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि बिना वैध परमिट वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर प्रशासक ने कहा कि

रांची नगर निगम का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना नहीं, बल्कि नागरिकों को एक व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक यातायात व्यवस्था भी देना है। हम पार्किंग प्रबंधन, अतिक्रमण हटाने, वैध रूट परमिट की अनिवार्यता और ट्रैफिक की वास्तविक समस्याओं पर काम कर रहे हैं। समिति की सिफारिशों पर शीघ्र अमल होगा।निगम की इनफोर्समेंट टीम और ट्रैफिक पुलिस को यह निर्देश दिया गया कि चिन्हित पार्किंग स्थलों पर किसी प्रकार का अवैध अतिक्रमण न हो। यदि ऐसा पाया जाता है, तो त्वरित कार्रवाई कर पार्किंग को व्यवस्थित किया जाएगा।इस मार्ग पर लगातार लगने वाले जाम की समस्या पर चर्चा की गई। टीम को निर्देशित किया गया कि वे इस पूरे मार्ग का अध्ययन करें और ट्रैफिक समाधान हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करें। डीटीओ और ट्रैफिक विभाग को निर्देश दिया गया कि वे उन मार्गों पर गहन जांच करें जहां ऑटो और ई-रिक्शा चल रहे हैं। बिना वैध परमिट वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।कई स्थानों पर वाहनों के टर्निंग पॉइंट पर परेशानी की जानकारी सामने आई है।
पुलिस विभाग, डीटीओ और नगर निगम के संयुक्त दल को ऐसे स्थलों की उपयोगिता का मूल्यांकन कर संयुक्त रिपोर्ट देने को कहा गया है, जिससे आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जा सकें। इनकी रही मौजूदगी बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक,

चौक-चौराहों पर टर्निंग प्वाइंट

कई स्थानों पर वाहनों के टर्निंग पॉइंट पर परेशानी की जानकारी सामने आई है। पुलिस विभाग, डीटीओ और नगर निगम के संयुक्त दल को ऐसे स्थलों की उपयोगिता का मूल्यांकन कर संयुक्त रिपोर्ट देने को कहा गया है, जिससे आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जा सकें। इनकी रही मौजूदगी बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, अधीक्षण अभियंता, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, नगर प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर मे हुआ नारी शक्ति को समर्पित तलवार वितरण का कार्यक्रम

नवरात्रि शक्ति की आराधना का पर्व, नारी ही शक्ति का है स्वरूपः संजय सर्राफ

संवाददाता । रांची

पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नारी शक्ति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 50 तलवारों का वितरण किया गया।यह आयोजन समाज में महिलाओं की भूमिका को सम्मान देने तथा आत्मरक्षा व शक्ति के प्रतीक स्वरूप एक सकारात्मक संदेश देने के लिए किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चारण और माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना से हुई। सभी महिलाओं को तलवार का वितरण ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ, पुजारी अरविंद पांडे, नंदकिशोर चौधरी, विशाल जालान तथा ट्रस्ट के अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि नवरात्रि शक्ति की आराधना का पर्व है और नारी ही शक्ति का स्वरूप है। आज की नारी केवल सहनशीलता की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अपने और समाज की रक्षा के लिए शस्त्र भी उठा सकती है। तलवारें सिर्फ एक प्रतीक हैं, जो आत्मविश्वास, साहस और सम्मान का प्रतिनिधित्व

करती हैं इस मौके पर क्षेत्र की कई महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। तलवार वितरण के दौरान उपस्थित महिलाओं को आत्मरक्षा, इतिहास में नारी शौर्य, तथा सामाजिक जागरूकता पर आधारित संक्षिप्त भाषण भी दिए गए। यह कार्यक्रम केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं था, बल्कि समाज में नारी जागृति और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश था। ट्रस्ट के सदस्यों ने यह भी घोषणा की कि विजयादशमी के दिन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में विशाल अस्त्र-शस्त्र पूजन का आयोजन किया जाएगा। उस दिन विशेष रूप से 200 तलवारों का और वितरण किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक महिलाओं को शामिल कर उनके आत्मबल और सुरक्षा की भावना को और सशक्त किया जाएगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की दिशा में भी एक सराहनीय पहल रहा।इस अवसर पर- नृत्य श्री डांस स्टूडियो की संयोजिका पिंकी सिंह, श्री राम सोनी,विद्या देवी अग्रवाल, अमिता जालान, सुमन चौधरी, अनुराधा सर्राफ, रेखा पोद्दार, ललिता पोद्दार, रिंकी पांडे, अनीता अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, सृष्टि पांडे, रजत अग्रवाल, पवन पोद्दार, श्रेष्ठ पांडे, आशीष कुमार, धीरज गुप्ता, सूरज कुमार, हरीश कुमार, सुधीर कुमार, सत्यम कुमार, मुरली कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

रांची में पागल कुत्ते का आतंक, 17 लोग घायल

संवाददाता । रांची

रांची। रांची ःतमाड़ इलाके में गुरुवार को एक पागल कुत्ते ने दहशत फैला दी। कुत्ता अचानक बेकाबू होकर तमाड़ से रायडीह, आमलेशा होते हुए करीब 10 किलोमीटर तक के रास्ते में 17 लोगों को काट लिया। घायलों में स्कूली बच्चे भी शामिल हैं, जो छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे।ग्रामीणों के अनुसार कुत्ता लोगों को देखते ही हमला कर देता और काटकर आगे बढ़ जाता। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल है। लोग अब सड़कों पर निकलने से भी डर रहे हैं।सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। परिजनों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। वहीं, वन विभाग से संपर्क करने पर भी विभागीय अधिकारियों ने अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अचानक बदला मौसम का मिजाज और शुरू हो गई झमाझम बारिश, सड़कों पर भरा पानी

संवाददाता । रांची

रांची।ः शुक्रवार को राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में दोपहर लगभग 1:30 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला और बादलों के भारी गर्जन के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। एक घंटे की तेज बारिश में शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। रुक-रुक कर देर रात तक कभी तेज, तो कभी मध्यम दर्जे की बारिश होती रही। इस बीच रांची मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि झारखंड के विभिन्न जिलों में 30 सितंबर और एक अक्टूबर को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान राज्य के कई इलाकों में गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलोअलर्ट जारी किया गया है।
मौसम विभाग की ओर से बतायागया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मंझरी में 21 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 34.6 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

विभिन्न जिलों में 30 सितंबर और एक अक्टूबर को भी बारिश की संभावना

.. मौसम विभाग ने जताई वज्रपात की भी आशंका, जारी किया येलो अलर्ट

.. पिछले 24 घंटे में पश्चिमी सिंहभूम के मंझरी में सर्वाधिक 21 मिलीमीटर दर्ज की गई वर्षा

आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में 2 अक्टूबर को शालीमार बाजार, एचईसी में धूमधाम से होगा रावण दहन समारोह

संवाददाता । रांची

रांची : 1968 से चली आ रही परंपरा को आलोक कुमार दूबे ने बताया असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक*
मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा झ रावण दहन आयोजन में उमड़ेगा लाखों का जनसैलाब, प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील
आलोक कुमार दूबे, संजीत यादव व समिति पदाधिकारियों ने कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को दिया आमंत्रण
राजधानी रांची का सबसे पुराना रावण दहन, आलोक कुमार दूबे के मार्गदर्शन में बनेगा ऐतिहासिक झ मुख्यमंत्री व अन्य विशिष्ट अतिथि होंगे आमंत्रित

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं विजयादशमी रावण दहन समिति, एचईसी के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने बताया कि इस वर्ष भी परंपरा के अनुरूप 2 अक्टूबर को शालीमार बाजार, एचईसी धुर्वा में धूमधाम से विजयादशमी रावण दहन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर रावण, कुम्भकर्ण एवं मेघनाद के पुतलों का दहन कर असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन 1968 से लगातार होता आ रहा है और झारखंड एवं राजधानी रांची का सबसे पुराना रावण दहन है, जिसमें हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।
समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, अध्यक्ष संजीत यादव एवं पदाधिकारियों ने झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पा नेहा तिर्की एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात कर उन्हें समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया। दोनों मंत्रियों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होने की सहमति प्रदान की है।आलोक कुमार दूबे ने कहा कि रावण दहन असत्य, अहंकार और अन्याय पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरे आयोजन की भव्यता को और बढ़ाते हैं। उन्होंने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से व्यापक सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

शारदीय नवरात्र उत्सवश्याम मंदिर में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे

संवाददाता । रांची

रांची ःशारदीय नवरात्र के अवसर पर हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मां भगवती का पूजन अनुष्ठान विधि पूर्वक मंदिर के आचार्य ने यजमान संजीत चौधरी एवं रंजना चौधरी से करवाया । नवरात्र के दैनिक पूजन के बाद बाबा श्याम की श्रृंगार आरती होती है। इसके बाद देवी दुर्गा की आरती में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा एवं अनेक भक्त उपस्थित रहते हैं। ज्ञातव्य है कि श्री श्याम मंदिर में एकम से नवमी तक मां जगत जननी का विधि विधान से पूजा अनुष्ठान एवं प्रातः एवं संध्या कालीन आरती होती हैं। खाटूनरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार अश्विन अमावस्या के महास्नान के बाद आज खाटूनरेश का केसर चंदन तिलक श्रृंगार मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के सानिध्य में संपन्न हुआ।कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए लाल गुलाब डच गुलाब जिप्सी माला रजनीगंधा फूल पीला गेंदा फूल मॉर्गन फुल की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम का अनुपम श्रंगार किया गया। संध्या 5:30 बजे के उपरांत भक्तों ने बाबा के केसर चंदन तिलक श्रृंगार के दर्शन किए। श्याम बाबा को नवीन पोशाक बागा पहनाकर रूह के इत्र से मसाज कर पंचमेवा का भोग लगाया गया। केशर चंदन तिलक श्रृंगार के

पश्चात पंचमेवा का प्रसाद वितरण मण्डल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां ने किया। मां भगवती की संध्या कालीन आरती एवं गोपाल भोग आरती में सैकड़ो भक्तों ने अपनी हाजरी लगाई।
श्री श्याम भंडारा
शनिवार 27 सितंबर को 172 वे श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया गया है मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ को श्री श्याम भंडारे में आमंत्रित किया है।
श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा
नवरात्रि की महाअष्टमी के दिन 30 सितंबर को 173 वा सुंदरकांड हनुमान चालीसा पाठ आयोजित किया जाएगा। सुनील मोदी अपने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे।
महानवमी पूजन
महानवमी के अवसर पर प्रातः 7:15 बजे से नवमी पूजन अनुष्ठान कराया जाएगा। इसके बाद दैनिक आरती पाठ एवं हवन पूजन का कार्यक्रम किया जाएगा। हवन पूणाहुति के बाद नवकन्याओं का पूजन भोजन प्रसादी एवं उपहार समर्पण किया जाएगा।
भक्तशिरोमणि आलू सिंह जी महाराज की पुण्यतिथि दिनांक 2 अक्टूबर प्रातः 9:15 बजे से भक्त शिरोमणि आलू सिंह जी महाराज जिन्होंने श्री श्याम बाबा का प्रचार पूरे भारत एवं विश्व में किया उनकी 36वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि अर्पित कर भजन गाकर भक्त अपनी अर्जी लगाएंगे।
पापमोचनी एकादशी संकीर्तन
शुक्रवार दिनांक 3 अक्टूबर को पापमोचनी एकादशी संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बाबा श्याम का दिव्य श्रृंगार अखंड ज्योति भजनों का कार्यक्रम आयोजित होगा।शरद पूर्णिमा महोत्सव दिनांक 6 अक्टूबर को श्री श्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। खाटूनरेश को श्वेत पोशाक श्वेत पुष्पों का भव्य श्रृंगार श्वेत प्रसाद श्वेत आभूषण पहनाए जाएंगे जो कि वर्ष में मात्र इसी दिन होता है।

ब्रीफ न्यूज

राँची में मोटर वाहन अधिनियम उल्लंघन के ई-चालान निष्पादन हेतु दो दिवसीय कैम्प का सफल आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची : परिवहन विभाग, झारखण्ड, राँची के निदेशानुसार, जिला परिवहन कार्यालय, राँची तथा यातायात पुलिस, राँची के संयुक्त तत्वावधान में मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न धाराओं के उल्लंघन के कारण निर्गत ई-चालान के निष्पादन हेतु दिनांक 24 सितम्बर, 2025 एवं 25 सितम्बर, 2025 को दो दिवसीय विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में दो दिनों के दौरान ऑफलाइन मोड में 253 ई-चालान तथा ऑनलाइन मोड में 438 ई-चालान, कुल 691 ई-चालानों का निष्पादन किया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से कुल 6,66,700.00 रुपये का राजस्व संग्रहण किया गया। यह पहल सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और मोटर वाहन अधिनियम के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने इस कैम्प के माध्यम से वाहन चालकों को नियमों का पालन करने और समय पर चालान का निपटारा करने के लिए प्रोत्साहित किया। परिवहन विभाग, झारखण्ड भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों के माध्यम से सड़क सुरक्षा और अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राँची। पुलिस ने जुआ खेलते हुए 18 लोगों को गिरफ्तार किया है,

संवाददाता । रांची

रांची ःराँची। पुलिस ने जुआ खेलते हुए 18 लोगों को गिरफ्तार किया है, साथ ही पुलिस ने उनके पास से 3.34 लाख रुपया और अन्य सामान बरामद किया है।एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर हटिया डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने बीते 25 सितंबर की देर रात अरगोड़ा चौक स्थित आनंदपुरी चौक के पास स्थित राजकुमार साहू के किराए के मकान पर छापा मारा। कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते सभी लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरिडीह-धनबाद रोड़ पर दर्दनाक हादसा, पिकअप वैन-ट्रक की टक्कर में 4 की मौत, कई घायल

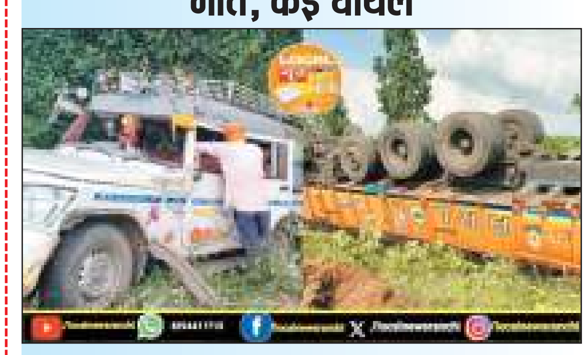

संवाददाता । रांची

गिरिडीह : गिरिडीह-धनबाद रोड़ पर शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। गिरिडीह के ताराटांड थाना क्षेत्र में ट्रक और पिकअप की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के घायल होने की भी सूचना है। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।शुक्रवार दोपहर बड़कीटांड में ट्रक और पिकअप वैन में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें 4 लोगों कि मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं हादसे हुए घायल लोगों को आनन झ फानन इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेजा गया। जहां सभी का इलाज चल रहा है।
गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग पर ताराटांड़ थाना क्षेत्र के बड़की टांड़ मोड़ के पास आज शुक्रवार की दोपहर एक ट्रक और पिकअप वाहन के बीच जोरदार टक्कर हो गयी. इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हैं. सभी घायलों को गिरिडीह सदर अस्पताल भेजा गया है, जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है.

घासी समाज को जनजाति का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर दिल्ली में ज्ञापन सौंपने का ऐलान

संवाददता

रांची, 25 सितंबर 2025: झारखंड के घासी समाज ने अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। दुर्गा पूजा के समापन के तुरंत बाद घासी समाज का एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली रवाना होकर राष्ट्रपति महोदय, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा केंद्रीय जनजाति मंत्री को ज्ञापन सौंपेगा। इस ज्ञापन के माध्यम से समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा प्रदान करने की मांग दोहराई जाएगी।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खरीदगी जमीन जिसका खाता संख्या - 8 प्लॉट संख्या -14 कुल रकबा -22 डिसमिल, थाना - खेलारी थाना संख्या - 14 जिला - रांची , वर्तमान अंचल - खेलारी जो मेरे मुवक्किल श्रीमती गुलशन आरा पति ताबे रसूल की खरीदगी जमीन जिसका दाखिल खारिज संख्या - 12 फ27 सन 1981 -82 जो साल दर साल भुगतान करते चली आ रही है जो जिसमें सिर्फ मेरे मुवक्किल का ही अधिकार है जिसके संबंध में एक दीवानी मुकदमा जिसका मुकदमा संख्या - 21 सन 2009 है जो रफीक खान , उनके भाई तथा लड़कों के विरुद्ध लंबित है । अत : कोई व्यक्ति अगर इसकी खरीद बिक्री , ए करारनामा , दान या बंधक करता है तो वह कानूनन अवैध तथा गलत होगा और वह व्यक्ति स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा ।

कृष्ण कुमार
अधिवक्ता
Enrl. No .1629 /2000

दुर्गा पूजा शांति पूर्वक मनाने को लेकर डीसी और एसपी ने जिले के अधिकारियों को ब्रीफिंग दी

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी करवाई : एसपी कुमार गौरव

लातेहार, संवाददाता

दुर्गा पूजा पर शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के द्वारा टाऊन हॉल में जिले अंतर्गत प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त ब्रीफिंग दी, बैठक में जिले के सभी प्रखंडों एवं थाना स्तर के पदाधिकारियों को पूजा के दौरान शांति व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ,उपायुक्त ने कहा कि दुर्गा पूजा जिलेवासियों के लिए आस्था और उल्लास का प्रतीक है, लेकिन इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए, उन्होंने सभी दंडाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने प्रतिनियुक्त स्थल पर समय से पहुंचकर पूरी जिम्मेदारी से अपनी ड्यूटी निभाएं। साथ ही, किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें अथवा किसी भी समस्या या विवाद की सूचना तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष या उच्च पदाधिकारियों को दी जाए, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें, उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया, प्रत्येक दंडाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखें। पूजा पंडालों में स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, अग्निशमन की व्यवस्था, मेडिकल सहायता और भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक पहल करें, इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को समय से प्रतिनियुक्त स्थलों पर पहुंच जाने का निर्देश दिया, पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष बल देते हुए कहा कि जिले के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी, चौक-चौराहों पर गश्ती दल की संख्या बढ़ाई जाएगी तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाएगी, सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया, उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके, साथ ही स्थानीय प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी सहयोग की अपील की गई, ताकि दुर्गा पूजा का यह पावन पर्व शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जा सके। जिला प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी अफवाह से बचें, सोशल मीडिया पर किसी भी भ्रामक जानकारी को साझा न करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें ,24 घंटे कार्यरत कंट्रोल रूम नंबर 06565झ247981 पर अथवा कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 08987796308 एवं साईबर सेल के वॉट्सएप नंबर 6206159795 एवं मोबाइल नंबर 9229341575 पर अथवा 112 पर कॉल कर किसी भी प्रकार की सहायता के लिए या आपात स्थिति में सूचना दें। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, आईटीडीए निदेशक, अपर समाहर्ता, दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचलाधिकारी उपस्थित थें,

चोरों के आतंक से भय के साए में जी रहे हैं ग्रामीण : शंभू साव

रामगढ़, संवाददाता

इन दिनों पतरातू प्रखंड के बासल थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक अपने शबाब पर है। चोर तो मानो प्रशासन को खुली चुनौती आए दिन देते हैं और चोरी की घटनाओं को लगातार अंजाम देने में सफल होते जा रहे हैं। मगर प्रशासन को चोरों द्वारा चोरी की घटनाओं में रोकथाम करने में लगातार असफलता ही हाथ आई है। कुछ दो एक घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो बाकी चोरी की घटनाओं में प्रशासन के हाथ खाली ही हैं। चोर खुलेआम बड़ी से बड़ी और छोटी सी छोटी चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं चाहे वह मवेशियों की चोरी हो, मोटर पंप की चोरी हो, मंदिर से समरसेबल की चोरी हो या बड़ी-बड़ी चोरी की घटनाओं की बात करें बेखौफ तरीके से चोर इन घटनाओं को अंजाम देकर आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। मगर हम ग्रामीण तो सिर्फ डर और दहशत के साए में जी रहे हैं। उक्त बातें लबगा पंचायत के ग्राम रसदा निवासी शंभू साव ने कहीं। उन्होंने कहा कि कई बार हमारे यहां एयरटेल के टावर से तारों की चोरी होती आई है। जिसकी लिखित शिकायत हमने बासल थाना क्षेत्र में एयरटेल कंपनी के टेक्नीशियन चंद्रशेखर आजाद के साथ की है मगर वहां से भी प्रशासन के द्वारा हमें सिर्फ आश्वासन ही मिला। चोरी की घटनाओं में रोकथाम अभी तक नहीं हो पाई है। 2 महीने में तीन बार हमारे टावर से तारों की चोरी की जा चुकी है। मगर उद्वेदन अभी तक नहीं हो पाया। शंभू साव ने कहा कि इन चोरी की घटनाओं में हमारे गांव के लोग ही सम्मिलित हैं। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द इन चोरों की गिरफ्तारी कर चोरी की घटनाओं में कमी लाने की कोशिश करें ताकि लोगों का पुलिस प्रशासन पर विश्वास कायम रहे। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व बासल थाना के द्वारा एक बड़ी चोरी की घटना का उद्वेदन किया जा चुका है। जिसमें लाखों के चोरी के समान के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार तथा ट्रैक्टर को जप्त किया गया था। यह पुलिस की बड़ी सफलता है। ग्रामीणों की मांग है इसी तरह से इन चोरों को भी पकड़ कर चोरी की घटनाओं का उद्वेदन किया जाए।

गिद्दी सी वाशरी कॉलोनी में दो बाइकों की आमने सामने हुई टक्कर, एक की मौत, दो घायल

रामगढ़, संवाददाता

वासरी कॉलोनी गिद्दी सी में शुक्रवार की सुबह तकरीबन 11 बजे दो बाईक की सीधी टक्कर हो गई। जिसमें एक युवक की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। एक सतकड़िया निवासी युवक की मौत हो गई, जबकि दो मिश्राईनमोढ़ा निवासी घायल हो गए, प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को रेफर कर दिया गया, सूचना पर गिद्दी पुलिस पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक वाशरी कॉलोनी गिद्दी चिकन शॉप के समीप आमने सामने से आ रही दो मोटरसाइकिल में जबरदस्त टक्कर हो गई। सड़क के किनारे दुकानों पर खडे लोग अचानक हुए इस टककर से सकते में आ गए। अफरा तफरी मच गई, दुर्घटना में घायल बाइक सवार मिश्राईनमोढ़ा निवासी प्रेम बेदिया 35 वर्ष, किशोर बेदिया 40 वर्ष और सतकड़िया निवासी राजेश बेसरा को गिद्दी अस्पताल लाया गया। जहां राजेश बेसरा को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दो को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। घटना के बाद अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

डीसी-एसपी ने विभिन्न निमार्णाधीन दुर्गा पूजा पंडालों का किया निरीक्षण, समितियों को दिए सुरक्षा संबंधी दिशा- निर्देश

पलामू, संवाददाता

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस व पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने शुक्रवार को जिले के छत्तरपुर व सदर अनुमंडल के विभिन्न निमार्णाधीन दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई बिंदुओं पर विशेष निर्देश दिए। कहा कि पंडाल निर्माण में किसी भवन अथवा सड़क से कम से कम 15-20 मीटर दूरी एवं हाईटेंशन तार, रेलवे लाइन, ट्रांसफार्मर व अन्य विद्युत उपकरणों से 20-25 मीटर दूरी सुनिश्चित की जाये। निर्माण व मार्ग व्यवस्था में ज्वलनशील/ सिंथेटिक कपड़े का प्रयोग न किया जाये। प्रवेश व निकास द्वार अलग-अलग रखे जायें। मार्ग पर स्पष्ट दिशा सूचक चिन्ह लगाए जाएं। भीड़ नियंत्रण हेतु महिला व पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारें बनाई जाएं। प्रत्येक पंडाल में पानी व बालू की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

पुलिस अधीक्षक ने पूजा समितियों को निर्देशित किया

पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने सभी समितियों से अपने वॉलिंटियर्स की सूची संबंधित थाना प्रभारी को उपलब्ध कराने की बात कही। कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हो। श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए समन्वय व सहयोग बनाकर कार्य किया जाए।

मूर्ति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

छत्तरपुर, नावा बाजार व पंड़वा में पंडालों का निरीक्षण करने के पश्चात उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सिंगरा स्थित अमानत नदी तट का भी जायजा लिया। इस दौरान नदी की गहराई, विसर्जन मार्ग व सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। विसर्जन के दिन भीड़ प्रबंधन व सुरक्षित विसर्जन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पलामू पुलिस आम जनता व सभी पूजा समितियों से अपील करती है कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें। पुलिस प्रशासन को सहयोग दें। शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा का आयोजन करें।

भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह ने राज्यपाल से की मुलाकात

बोकारो, संवाददाता

बेरमो निवासी भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह ने रांची स्थित राजभवन में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से आज शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रकाश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक कार्यों पर लिखी अपनी नई पुस्तक मोदी की गारंटी : स्वस्थ भारत राज्यपाल संतोष गंगवार को भेंट की। इस पुस्तक की प्रस्तावना भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने लिखी है। इस पुस्तक में विस्तार से यह बताया गया है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोरोना महामारी का प्रभावी प्रबंधन किया। भारत में कोरोना महामारी के खिलाफ वैक्सीन विकसित करने की पूरी प्रक्रिया एवं दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान का विस्तृत उल्लेख इस पुस्तक में है। भारत के फार्मा सुपरपावर बनने से लेकर आयुष को वैश्विक प्रतिष्ठा दिलाने की कहानी भी ये पुस्तक बयां करती है।

काउंसिल ने ईसीएल मुख्यालय सकतोरिया में 25 सूत्री मांग पर की वार्ता

एग्यारकुंड, संवाददाता

ऑल इंडिया एससी एसटी बीसी काउंसिल प्रतिनिधि ने गुरुवार को ईसीएल मुख्यालय में महाप्रबंधक कार्मिक पुण्यदीप भट्टाचार्य होड नजरुल इस्लाम और एसी स्टी संपर्क अधिकारी मनीष कुजूर को फूल की गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। ईसीएल काउंसिल महासचिव प्रभुनाथ पासवान ने बताया कि मजदूरों की समस्या पर चर्चा की शुरूआत हुई,जिसमें मुख्य मुदा एसएलपी, प्रमोशन, रोस्टर बैकलॉक डिग्नेशन, आवास, कलैंडर मीटिंग, नियमित करना इत्यादि मांग को रखा,जिसमें कई मांगो को त्वरित निष्पादन करने की चर्चा संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारी से करते हुए निष्पादन करने की बाते कही और मांग पर उन्होंने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन भी दिया। इस बैठक में सभी एरिया से काउंसिल अध्यक्ष और एरिया सचिव उपस्थित हुए मुख्य रूप से धनंजय कुमार, विकास कुमार पासवान ,शशि वर्मा, विवेकानंद सिंह, जेपी राय,अशोक कुमार,जीतन पिंगुआ, प्रकाश कुर्मी बिपदतरण कर्मकार,दिलीप पासवान, श्रीराम महतो, गयासुद्दीन ,पीके बिंद, रणजीत केवट ,फैयाज हुसैन, पिंटू बाउरी,कृष्णा नंदन केवट ,काली चरण बाउरी,दिनेश महतो,महेंद्र नोनिया, जयपाल मुंडा,अरविंद शर्मा,पिंटू साह, नंदलाल नोनिया,आदि सम्मिलित हुए सभी बिंदुओं पर प्रबंधन ने सकारात्मक आश्वासन दिया। महासचिव प्रभुनाथ पासवान ने प्रबंधन को धन्यवाद ज्ञापन कर इस मीटिंग की समाप्ति की घोषणा की।

सरस्वती विद्या मंदिर भूली में ओपन डे का आयोजन किया गया

धनबाद, संवाददाता

26 सितंबर को सरस्वती विद्या मंदिर भूली में ओपन डे का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 400 की संख्या में विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के अभिभावकों ने अपने बच्चों की अर्ध वार्षिक परीक्षा की मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन किया। कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के प्राचार्य रण सुमन सिंह ने कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक के साथ-साथ माता-पिता का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। अभिभावकों को अपने बच्चे में हो रहे विकास को जानना अति आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रम में समय निकालकर अभिभावकों को अवश्य उपस्थित होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि विद्यालय पहुंचे अभिभावकों ने बड़ी रुचि के साथ अपने बच्चों की उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन किया। अभिभावकों ने विद्यालय में पढ़ाई के मानक की प्रशंसा की। विद्यालय में हो रहे शैक्षणिक विकास की सराहना की। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी गण सक्रिय रहे।

कार्निवल रेस्टोरेंट सील, हुक्का बरामद, बिना लाइसेंस चल रहा था रेस्टोरेंट

धनबाद, संवाददाता

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर मेमको मोड़ पर स्थित कार्निवल रेस्टोरेंट को आज सील कर दिया गया। रेस्टोरेंट से हुक्का और चिलम भी बरामद किया गया। रेस्टोरेंट का लाइसेंस 24 मार्च 2023 को एक्सपायर हो गया था। संचालक ने लाइसेंस रिन्यू नहीं कराया और पिछले साढ़े तीन साल से बिना लाइसेंस रेस्टोरेंट चला रहा था। इसके विस्तृत जानकारी देते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि एक ग्राहक ने कार्निवल रेस्टोरेंट के संबंध में जिला प्रशासन से शिकायत की थी और बताया था कि वहां अवैध रूप से ग्राहकों को हुक्का और चिलम दिया जाता है। सूचना मिलने के बाद फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ राजा कुमार ने टीम के साथ रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक से फूड लाइसेंस मांगा। संचालक ने जब लाइसेंस दिया तो वह 24 मार्च 2023 को एक्सपायर हो चुका था। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने देखा कि रेस्टोरेंट में कुछ ग्राहक हुक्का और चिलम पी रहे थे। जब विभाग के राहुल कुमार अपने मोबाइल पर कार्रवाई का वीडियो बनाने लगे तब रेस्टोरेंट के मैनेजर और कर्मियों ने मोबाइल फोन छीनने का और हुक्का और चिलम छुपाने का प्रयास किया। फूड सेफ्टी ऑफिसर ने तत्काल आला अधिकारियों और पुलिस उपाधीक्षक को सूचना दी। इसके बाद शीघ्र वहां पुलिस फोर्स पहुंच गई। तत्पश्चात रेस्टोरेंट को सील करने की कार्रवाई की गई। फूड सेफ्टी ऑफिसर ने बताया खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुसार बिना लाइसेंस कोई भी रेस्टोरेंट का संचालन नहीं कर सकता है। इसका उल्लंघन करने पर 10 लाख रुपए जुमार्ना का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट संचालक को नोटिस भेज कर अभियोजन की कार्रवाई शुरू की जाएगी। साथ ही बताया कि ग्राहकों को हुक्का और चिलम देना उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने के समान है।

कारो विस्तार में विस्थापित और ग्रामीण राष्ट्रहित में करें सहयोग : जीएम

बेरमो, संवाददाता

बेरमो। सीसीएल बीएडके क्षेत्र के कारो परियोजना के विस्तार के लिए जंगल की कटाई शुक्रवार को शुरू हो गई है। जीएम चितरंजन कुमार के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार के पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति मिलने के बाद प्रबंधन पेड़ों की कटाई कर रहा है।? कहा कि विस्थापित ग्रामीण राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए कोलियरी विस्तार में सहयोग करें। जीएम ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति मिलने के बाद प्रबंधन द्वारा जंगल पेड़ो की कटाई कर रही है। मौके पर एसओ माइनिंग के एस गेवाल, एसओ ईएंडएम जयशंकर प्रसाद, एसओपी विनय रंजन टुडू, पीओ सुधीर सिन्हा, एरिया सेल ऑफिसर वी एन पांडेय, मैनेजर चिंतामणि मांझी, एसओ एलएंडआर शंकर कुमार, कारो सेफ्टी ऑफिसर संजय सिंह, मनीष माहेश्वरी, कमल कुमार सिंह आदि दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

बीएसएल के गैर आवासीय भवनों में रक्षा उपकरण उत्पादन इकाई स्थापित करे रक्षा मंत्रालय : कुमार अमित

संजय सेठ को ज्ञापन सौंप एनसीसी और बीएसएल विस्तारीकरण हेतु पहल करने की भी की मांग

बोकारो, संवाददाता

केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के गुरूवार को बोकारो आगमन के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने उनसे मिलकर बोकारो इस्पात प्रबंधन के बेकार पड़े जर्जर गैर आवासीय परिसरों में हल्का रक्षा उपकरण की उत्पादन इकाई लगाने की माँग की। कुमार अमित ने रक्षामंत्री से कहा कि पिछले दिनों रक्षा मंत्रालय के द्वारा राँची में आयोजित ह्लडिफेंस एक्सपोह्व के दौरान झारखण्ड में शुक्ष्म एवं लघु उद्योग प्रकार के हल्का रक्षा उपकरण के उत्पादन इकाई लगाने के लिए राज्य सरकार से जमीन उपलब्ध कराने की माँग की गई थी। परन्तु राज्य के मुख्यमंत्री ने इस सम्बंध में कोई खास रूची नहीं दिखाई जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। रक्षा मंत्रालय बोकारो इस्पात प्रबंधन के गैर आवासीय परिसरों में इन इकाइयों को स्थापित करने की दिशा में इस्पात मंत्रालय से बात करनी चाहिए । रक्षा उपकरण के इन इकाइयों के बोकारो के बेकार पड़े बड़े क्षेत्रफल वाले गैर आवासीय भवनों में स्थापित होने से इन परिसरों का सदुपयोग भी होगा, बोकारो के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिलेगा, बोकारो की आर्थिक प्रगति भी होगी और यहाँ का सामाजिक माहौल भी अनुशासित होगा। बोकारो इस्पात उत्पादन के साथ साथ रक्षा उत्पाद के लिए भी जाना जाएगा। कुमार अमित ने बोकारो के सिटी कॉलेज, रणविजय कॉलेज, चास कॉलेज, केबी कॉलेज सहित राज्य के सभी स्कूल कॉलेजों में बंद पड़े नेशनल कैडेट कॉर्पस का प्रशिक्षण को पुनः छात्र-छात्राओं के लिए प्रारंभ करवाने और बीएसएल विस्तारीकरण परियोजना को शीघ्र प्रारंभ करवाने की दिशा में पहल करने की भी माँग रक्षा मंत्री से की। बोकारो में पूर्व सैनिकों की समस्या से भी श्री संजय सेठ को कुमार अमित ने अवगत कराते हुए उसके समाधान के लिए भी ज्ञापन ज्ञापन दिया। रक्षा मंत्री ने इन विषयों पर पहल करने का आश्वासन भी कुमार अमित को दिया।

नित्यानंद मंडल की धर्मपत्नी डॉ. किमी मंडल ने जरूरतमंद बच्चों को बांटे स्टेशनरी किट

धनबाद, संवाददाता

दुर्गा पूजा और नवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल की धर्मपत्नी डॉ. किमी मंडल ने आज जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी किट बांटे। इस अभियान के तहत, बच्चों को कॉपी, कलम, पेंसिल, किताबें और ज्यामिति बॉक्स दिए गए ताकि वे बिना किसी रुकावट के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। यह अभियान केशव केयर फाउंडेशन के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसका पहला चरण 23 सितंबर को हीरक रोड स्थित हरिजन बस्ती में पूरा हुआ था। आज 25 सितंबर को, इस अभियान का अगला चरण अलकडीहा कोलियरी में आयोजित किया गया, जहां बच्चों में स्टेशनरी किट वितरित किए गए। इस मौके पर केशव केयर फाउंडेशन के निदेशक अंकित कुमार ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि उनकी संस्था का लक्ष्य समाज के वंचित वर्ग को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना है।

नवरात्रि में करें लौंग के ये टोटके, हर बुरी नजर होगी दूर

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है।

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करने से जीवन के सभी दुख दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का घर में आगमन होता है। वहीं, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि नवरात्र के दौरान लौंग के कुछ उपाय करना भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आइये जानते हैं उन उपायों के बारे में।

नवरात्रि पर करें लौंग के ये उपाय

नवरात्रि के नौ दिनों तक रोजाना शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर लौंग के तेल का दीपक जलाएं या फिर दीये में लौंग डालकर प्रज्वलित करें। इससे घर का दोष दूर होता है और घर पर आने वाला संकट नष्ट हो जाता है।

नवरात्रि के दौरान घर के टॉयलेट और बाथरूम में 5 लौंग जलाने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है और सकारात्मकता का संचार होता है। इसके अलावा, बुरी नजर अगर लगी है तो उससे भी छुटकारा मिलता है।

नवरात्रि के दौरान अष्टमी या नवमी तिथि पर हवन के समय लौंग को आहुति के रूप में चढ़ाने से घर की बरकत के रास्ते खुलते हैं। पारिवारिक कलश दूर होता है और सदस्यों के बीच आपसी रिश्तों में मिठास बनने लग जाती है।

नवरात्रि के दौरान 7 लौंग लाल कपड़े में लपेटकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें और दशमी तिथि पर उस लौंग की पोटली को पवित्र जल में प्रवाहित कर दें। इससे सोया हुआ भाग्य जाग उठेगा। उज्जवल भविष्य का मार्ग खुल जाएगा।

श्री कृष्ण को कौन-कौन सी पत्तियां चढ़ानी चाहिए?

भगवान श्री कृष्ण को कुछ विशेष पत्तियां चढ़ाना भी अति शुभ होता है। इन पत्तियों को चढ़ाने से कई तरह के लाभ मिलत हैं। आइये जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को कौन सी पत्तियां चढ़ानी चाहिए।

श्री कृष्ण की पूजा के दौरान उन्हें कई प्रकार के फूल चढ़ाए जाते हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि कृष्ण चरणों में फूल अर्पित करने से जीवन हमेशा खुशियों से महकता रहता है। भगवान श्री कृष्ण को कुछ विशेष पत्तियां चढ़ाना भी अति शुभ होता है। इन पत्तियों को चढ़ाने से कई तरह के लाभ मिलत हैं। आइये जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को कौन सी पत्तियां चढ़ानी चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले लाभ।

पीपल की पत्तियां

भगवांस श्री कृष्ण को पीपल की पत्तियां चढ़ाने से घर में कैसा भी दोष क्यों न हो दूर हो जाता है। इसके अलावा, भगवान कृष्ण के साथ-साथ सभी देवी-देवताओं की कृपा भी मिलने लगती है।

तुलसी की पत्तियां

तुलसी दल श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है। ऐसे में तुलसी दल भी श्री कृष्ण को अर्पित करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता का संचार होता है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

अशोक की पत्तियां

अशोक के पेड़ में भगवान शिव का वास होता है। ऐसे में अशोक की पत्तियां श्री कृष्ण को चढ़ाने से वह बहुत प्रसन्न हो जाते हैं। वहीं, शुक्र ग्रह का वास होने के कारण वैवाहिक जीवन मधुर बनता है।

भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाएं कदंब की पत्तियां

कदंब का फूल भगवान श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है। ऐसे में कदंब का फूल भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाने से घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होने लगती हैं।

देवी दुर्गा का वाहन शेर ही क्यों है?

नवरात्रि पर माता दुर्गा की उपासना की जाती है। पुराणों में नवरात्रि की माता नौ दुर्गा के अलग अलग वाहनों का वर्णन मिलता है। जैसे शैलपुत्री माता वृषभ पर सवार है तो कालरात्रि माता गधे पर। इसी तरह प्रत्येक देवी का वाहन अलग अलग है, परंतु माता का मुख्य वाहन शेर और सिंह ही है। आओ जानते हैं इस संबंध में 2 खास बातें।

- देवी दुर्गा सिंह पर सवार हैं तो माता पार्वती शेर (बाघ) पर। पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वे स्कंद की माता कहलाती हैं उन्हें सिंह पर सवार दिखाया गया है। कात्यायनी देवी को भी सिंह पर सवार दिखाया गया है। देवी कुष्मांडा शेर (बाघ) पर सवार है। माता चंद्रघंटा भी शेर (बाघ) पर सवार है। जिनकी प्रतिपद और जिनकी अष्टमी को पूजा होती है वे शैलपुत्री और महागौरी वृषभ पर सवारी करती है। माता कालरात्रि की सवारी गधा है तो सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान है।
- एक कथा अनुसार शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी पार्वती ने हजारों वर्ष तक तपस्या की। तपस्या से देवी सांवली हो गई। भगवान शिव से विवाह के बाद एक दिन जब शिव पार्वती साथ बैठे थे तब भगवान शिव ने पार्वती से मजाक करते हुए काली कह दिया। देवी पार्वती को शिव की यह बात चुभ गई और कैलाश छोड़कर वापस तपस्या करने में लीन हो गई। इस बीच एक भूखा शेर देवी को खाने की इच्छा से वहां पहुंचा। लेकिन तपस्या में लीन देवी को देखकर वह चुपचाप बैठ गया।

शेर सोचने लगा कि देवी कब तपस्या से उठे और वह उन्हें अपना आहार बना ले। इस बीच कई साल बीत गए लेकिन शेर अपनी जगह डटा रहा। इस बीच देवी पार्वती की तपस्या पूरी होने पर भगवान शिव प्रकट हुए और पार्वती गौरवर्ण यानी गोरी होने का वरदान दिया। इसके बाद देवी पार्वती ने गंगा स्नान किया और उनके शरीर से एक सांवली देवी प्रकट हुई जो कौशकी कहलायी और गौरवर्ण हो जाने के कारण देवी पार्वती गौरी कहलाने लगी। देवी पार्वती ने उस शेर को अपना वाहन बना लिया जो उन्हें खाने के लिए बैठा था। इसका कारण यह था कि शेर ने देवी को खाने की प्रतीक्षा में उन पर नजर टिकाए रखकर वर्षो तक उनका ध्यान किया था। देवी ने इसे शेर की तपस्या मान लिया और अपनी सेवा में ले लिया। इसलिए देवी पार्वती के वाहन माने शेर/सिंह माने जाते हैं।

नवरात्रि में नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का क्या है महत्व?

नवपत्रिका पूजा हिंदू धर्म में एक विशेष पूजा है। यह खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। इस पूजा में नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों का एक गुच्छा, जिसे नवपत्रिका कहा जाता है, माता दुर्गा को अर्पित किया जाता है। यह पूजा मुख्य रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है।

हिंदू धर्म में नवपत्रिका पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व विशेष रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है। यह पूजा खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। जिसमें नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों को एक गुच्छा में बांधा जाता है। जिसे नवपत्रिका कहा जाता है। उसके बाद इसे मां दुर्गा को चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति पूरे नौ पत्तियों को पूरी श्रद्धा और शुद्धता के साथ बांधकर माता रानी को अर्पित करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही नजरदोष से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान नवपत्रिका पूजा में कौन-कौन से नौ पत्तियों का गुच्छा बनाया जाता है। सभी पत्तों का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का महत्व

नौ पत्ते मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पत्ता मां दुर्गा के एक विशिष्ट रूप की शक्ति और विशेषताओं को दर्शाता है। इन पत्तों को पवित्र माना जाता है और इन्हें मां दुर्गा को अर्पित किया जाता है। ये पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक हैं। ये पत्ते शक्ति और ऊर्जा का भी प्रतीक हैं। माना जाता है कि इन पत्तों में मां दुर्गा की दिव्य शक्ति निहित होती है। नवपत्रिका पूजा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस पूजा को करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यह पूजा बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी सहायक होती है।

केले का पत्र - केले के पत्ता शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है।
दारूहलदी पत्र - दारूहलदी पत्र शक्ति और उर्जा का प्रतीक है।
हल्दी पत्र - हल्दी पत्र शुभता, समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक है।
जयंती पत्र - जयंती पत्र शुभता और कामना का प्रतीक है।
बेल पत्र - बेलपत्र शांति और शक्ति का प्रतीक है।
अनार पत्र - अनार पत्र ज्ञान प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है।
अशोक पत्र - अशोक पत्र शुद्धता सत्य और जीत का प्रतीक है।
धान पत्र- धान पत्र समृद्धि का प्रतीक है।
अमलतास पत्र - अमलतास पत्र आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा का प्रतीक है।

इस नवरात्रि जरूर करें सांझी माता की आरती, मनचाही कामना होगी पूरी

सांझी माता हिंदू धर्म, विशेषकर उत्तर भारत में, विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं की देवी के रूप में पूजित की जाती हैं। सांझी पर्व, जो खासतौर से शारदीय नवरात्रि के दौरान मनाया जाता है, कुंवारी कन्याओं के लिए विशेष महत्व रखता है। सांझी माता की पूजा करने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलने की मान्यता है। माना जाता है कि सांझी माता कुंवारी कन्याओं की मनोकामनाएं पूरी करती है। सांझी पूजा घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाती है।

माना जाता है कि सांझी माता के आशीर्वाद से घर में खुशहाली आती है। आपको बता दें, नवरात्रि के दौरान पहले माता सांझी को आटे, चावल के आटे या रेत से बनाया जाता है। सांझी माता को बनाने के बाद उनकी पूरी विधि-विधान के साथ-पूजा-अर्चना भी की जाती है। कहते हैं, कि अगर सांझी माता की पूजा पूरी श्रद्धा से किया जाए, तो माता उन्हें सभी सुखों से भर देती है। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान सांझी माता की आरती क्या है और आरती करने का क्या महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

नवरात्रि के दौरान करें माता सांझी की आरती

नवरात्रि के दौरान माता सांझी की आरती करने से मनचाहे फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख-सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

आरता री आरता मेरी सांझी माई आरता,
आरता के नैन, कचाली भर आइयो,
टेढ़ी टेढ़ी पनियों में, बीरा जी हमारे,
लंबे लंबे घूंघट वाली, भावज हमारी,
क्या मेरी सांझी ओढेगी, पहरेगी,
सोने का सीस गुनथाएगी,
जाग सांझी जाग तेरे माथे लगे भाग,
तेरी पटियों में मांग, तेरे हाथों में सुहाग,
गोरा री गोरा सांझी का भैया गोरा
गोरी है बहुरिया,
अस्सी तेरे फूल, पिचासी तेरे डंडे,
श्रवण तेरी डोर, मुल्तानी तेरे पलड़े,
हल्दी गांठ गठीली, सबकी बहु है हठीली,
मांगे सोने का बिंदा, बिंदा मोल गया,
भाभो रूठ गयी, भैया बागों में जाइयो,
एक लोबड़ा कटाइयो, सूजा सूड़ मचाइयो,
कालबली के ऊंचे पाए, नीचे पाए
लेले बेटा गोद खिलाए,
गुरसल मंगल गाती आई,
चिड़िया चूं चूं करती आई
अऊ तेरी सांझी, मांगे गेहूं,
तू दे सपूती जौ, तेरे बेटा होंगे नौ,
नौ नौरते देवी के, सोलह कनागत पितरों के,
खोल मेरी देवी , चंदन किवाड़,
मै आई तेरे पुजनहार,
पूज पुजन्ति क्या कुछ लाई,
भैया भतीजे सब परिवार,
भैया तेरे नौ दस बीस, भतीजे तेरे पूरे तीस

लंदन में सम्मानित किया गया

मुंबई, एजेंसी।
लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड , भारत के सबसे तेजी से बढ़ते विविध व्यवसाय समूहों में से एक, को लंदन के ऐतिहासिक हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इंडो-यूरोपीय बिजनेस फोरम द्वारा आयोजित 'विकसित भारत इन्वेस्टमेंट समिट 2025' में प्रतिष्ठित 'इनोवेशन इन डायग्नोस्टिक डिवाइसिस' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह ऐतिहासिक संध्या कार्यक्रम वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं, निवेशकों और उद्यमियों को एकत्रित कर भारत, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप और विश्व के अन्य हिस्सों के बीच साझेदारी और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड पहली भारतीय मेडिकल डायग्नोस्टिक कंपनी बन गई है जिसे यह सम्मान प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार, जिसे लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी लॉर्ड्स मार्क माइक्रोबायोटेक के सीईओ श्री सुभोध गुप्ता ने प्राप्त किया, कंपनी के मेडटेक, डायग्नोस्टिक्स और बायोकेमिस्ट्री नवाचार में किए गए अग्रणी योगदान को मान्यता देता है।

सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए, इंडो-यूरोपीय बिजनेस फोरम के संस्थापक श्री विजय गोयल ने सम्मेलन के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि भारत-यूके और भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स क्रमशः „40 बिलियन और €200 बिलियन से अधिक के अवसर खोलने की क्षमता रखते हैं। मंत्री सीमा मल्होत्रा एमपी (यूके), विरेंद्र शर्मा जी (पूर्व सांसद, यूके), डॉ. नीरजा बिड़ला (संस्थापक एवं चेयरपर्सन, आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट), निहारिका हंडा जी (स्क्वाड्रन लीडर, बैंगलोर, भारत), तेजेश कुमार कोहली (पूर्व चेयरमैन, एलजीएस ग्लोबल लिमिटेड एवं चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर आदि शामिल थे।

जल्दी शुरू करें, अपने निवेश को कायम रखें

मिराए एसेट के सीईओ स्वरूप मोहंती की सलाह

नई दिल्ली , एजेंसी।
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ने गर्वपूर्वक मिराए एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) प्रा. लि. के वाइस चेयरमैन और सीईओ श्री स्वरूप मोहंती का स्वागत किया। कैंपस में आयोजित इस इंटरएक्टिव सत्र में भारत के एसेट मैनेजमेंट सेक्टर के भविष्य, नेतृत्व की चुनौतियों और नई पीढ़ी के प्रोफेशनल्स के लिए मार्गदर्शन पर चर्चा हुई।

श्री मोहंती ने इस दौरान बताया कि कोविड-19 महामारी ने देश में वित्तीय जागरूकता को तेजी से बढ़ाया। महामारी से पहले जहां म्यूचुअल फंड निवेशक मात्र 0.3 करोड़ थे, वहीं आज यह संख्या बढ़कर लगभग 6 करोड़ हो गई है। उनका मानना है कि भारत के डिजिटल जानकार युवा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की सुविधा ने निवेश को पहले से कहीं आसान बना दिया है। यह रफ्तार आने वाले दशक में भारत को दुनिया के सबसे बड़े म्यूचुअल फंड निवेश बाजारों में से एक बना देगी।

छात्रों को संबोधित करते हुए श्री मोहंती ने कहा, मैंने दो बड़ी गलतियाँ कीं जिनका मुझे अफसोस है। पहली - मैंने निवेश की शुरुआत जल्दी नहीं की, और दूसरी - निवेश में लगातार बना नहीं रहा। मैंने सोचा था कि मैं बाजार से ज्यादा समझदार हूँ, लेकिन जल्दी ही समझ गया कि बाजार हमेशा आपसे समझदार होता है। भारत जैसे देश में, जो अगले दशक में अपनी आर्थिक वृद्धि को दोगुना करने जा रहा है, कैपिटल मार्केट में निवेश करना देश की प्रगति में शामिल होने का बेहतरीन तरीका है।

बॉम्बे हाईकोर्ट से नरेश गोयल को राहत, बैंक ऑफ इंडिया के फैसले को किया गया रद्द

नईदिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल के खाते को धोखाधड़ी घोषित करने के बैंक ऑफ इंडिया के फैसले को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति आरआई चागला की ओरे से जारी आदेश में गोयल के खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित करने के बाद की सभी कार्रवाई को भी रद्द कर दिया गया है। इसमें किसी भी केंद्रीय एजेंसी को इसकी रिपोर्ट करना भी शामिल है।गोयल ने याचिका दायर कर नरेश के स्वामित्व वाले जेट एयरवेज के उधारकर्ता खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित करने के बैंक के फैसले को चुनौती दी थी। 30 दिसंबर 2024 को बैंक ने गोयल को कारण बताओ नोटिस जारी कर जेट एयरवेज के खाते को धोखाधड़ी वाला बताया था। 14 जनवरी, 2025 को गोयल ने आरोपों का खंडन कर विशेष रूप से अनुरोध किया कि बैंक धोखाधड़ी की घोषणा प्रक्रिया से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराए। गोयल ने बताया कि 7 मई, 2020 की एफआईआर ने जेट एयरवेज और गोयल को दोषमुक्त किया था, क्योंकि धोखाधड़ी का निर्णायक सबूत नहीं मिला था। इसके आधार पर संयुक्त ऋणदाता मंच ने 8 मई 2020 को अपनी बैठक में गोयल के खिलाफ कार्रवाई न करने का फैसला किया था।

4 लाख करोड़ स्वाहा! टाटा के शेयर ने निवेशकों को दिया तगड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में आज फिर गिरावट आई है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.4 प्रतिशत गिरावट के साथ 2,916 रुपये पर आ गया। यह इसका 3 साल का न्यूनतम स्तर है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 10.57 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इस साल कंपनी के मार्केट कैप में 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा गिरावट आई है। डिमांड घटने, अमेरिका में H-1B वीजा फीस बढ़ने और जेनरेटिव एआई का चलन बढ़ने से कंपनी पर असर पड़ा है। साथ ही कंपनी का तिमाही प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। इन सब बातों से निवेशकों का भरोसा कम हुआ है। टीसीएस का मार्केट कैप पिछले सेशन में 10.71 लाख करोड़ रुपये था जो 31 दिसंबर 2024 को यह 14.81 लाख करोड़ रुपये था। इस साल कंपनी के मार्केट कैप में 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले एक साल में यह स्टॉक 30 प्रतिशत तक गिर गया है। इस आईटी स्टॉक के शेयरधारकों को पिछले तीन साल से नुकसान हो रहा है। अगर किसी ने तीन साल पहले इस शेयर में एक करोड़ रुपये निवेश किए होते तो आज उसकी वैल्यू 95 लाख रुपये होती। छह महीने में स्टॉक 19 प्रतिशत और तीन महीने में 14 प्रतिशत तक गिर गया है। टेक्निकल चार्ट्स के अनुसार इसका आरएसआई 33 के करीब पहुंच गया है। इसका मतलब है कि स्टॉक ओवरसोल्ड जोन में ट्रेड कर रहा है। जानकारों का कहना है कि इसे 2900 रुपये पर सपोर्ट मिलेगा और 3,100 रुपये पर रेजिस्टेंस। अगर स्टॉक 3,100 रुपये के लेवल को पार कर जाता है, तो यह 3150 रुपये तक जा सकता है।

रिपोर्ट में दावा: इस त्योहारी सीजन में दो लाख लोगों को मिल सकती हैं नौकरियां

ज्यादातर भर्तियां छोटे शहरों में

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस त्योहारी सीजन में दो लाख तक नए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इनमें से 70 फीसदी नौकरियां दिहाड़ी होंगी। 30 फीसदी रोजगार स्थाई होंगे। एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की त्योहारी अर्थव्यवस्था हमेशा से उपभोक्ता खर्च को बढ़ाने में अहम रही है। 2025 में मौसमी मांग भी रोजगार मॉडल को आकार दे रही है।

इस त्योहारी मौसम में जिन प्रमुख क्षेत्रों में दो लाख तक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है उनमें, खुदरा, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और ग्राहक सेवाएं हैं। त्योहारी अवधि के दौरान भर्ती पिछले साल की तुलना में लगभग 20-25 फीसदी बढ़ सकती है। सप्लाई चेन और लास्ट-माइल डिलीवरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश के कारण क्विक कॉमर्स और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्र इस बढ़त को गति दे रहे हैं। इससे पता चलता है कि कंपनियां लचीलेपन और रफ्तार को संतुलित करने के लिए एक ब्लेंडेड वर्कफोर्स मॉडल अपना रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 35 फीसदी से अधिक व्यवसाय अब अपनी दीर्घकालिक प्रतिभा रणनीति के एक घटक के रूप में त्योहारी भर्तियों पर फिर से विचार कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि कंपनियां त्योहारों से पहले क्षमता बढ़ाने में निवेश कर रही हैं। अपने कर्मचारियों के विविधीकरण पर विचार कर रही हैं। कई बड़े क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म त्योहारों के बाद भी इस बढ़े हुए कार्यबल का 26 फीसदी हिस्सा बनाए रखेंगे, जो एक संरचनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी भर्ती में काफी बढ़ोतरी होगी, जो सक्रिय विकास के केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर सकते हैं। भुवनेश्वर, कोच्चि, इंदौर, सूरत और नागपुर जैसे शहरों में दिहाड़ी कामगारों में 30-40 फीसदी की वृद्धि होने की उम्मीद है। इन शहरों के रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए छोटे फुलफिलमेंट हब के रूप में उभरने के साथ पिछले त्योहार में टियर 2 शहरों में कुल दिहाड़ी भर्तियों का 47 फीसदी हिस्सा था। यह आंकड़ा 2025-26 में 50 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। असली वृद्धि का रुझान स्पष्ट रूप से दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों की ओर बढ़ रहा है। वहां प्रतिभाओं की संख्या मजबूत है और परिचालन लागत कम है।

ई-कॉमर्स और खुदरा क्षेत्र में ज्यादा रोजगार

मौसमी कर्मचारियों की मांग बढ़ रही है। लगभग 43 फीसदी कंपनियों ने बताया, इस त्योहारी सीजन में पिछले साल की तुलना में ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, खुदरा और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में ज्यादा नियुक्तियां की गई। प्रमुख भूमिकाओं में मार्केटिंग पेशेवर, डिलीवरी ड्राइवर और स्टोर मैनेजर शामिल हैं। दिलचस्प यह है कि नियोक्ता अस्थायी कर्मचारियों से ज्यादा की तलाश में हैं। लगभग आधे नियोक्ताओं ने कहा, कर्मचारियों में नेतृत्व और प्रबंधकीय क्षमताएं सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। 29 फीसदी को टीम वर्क महत्वपूर्ण है। 13 फीसदी डिजिटल साक्षरता को प्रमुख मानते हैं।

समय पर डिलीवरी करना है लक्ष्य

फिलपकार्ट और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म पर ज्यादा रोजगार मिलने की उम्मीद है। यहां दिहाड़ी लोगों की जरूरत है। इन प्लेटफॉर्मों ने पहले से ही भर्तियां शुरू कर दी हैं। नवरात्र शुरू होते ही ऑर्डर में तेज वृद्धि होने लगी है। ये नियुक्तियाँ गोदामों, डिलीवरी संचालन, टीम नेतृत्व और ग्राहक अनुभव कार्यों में की जा रही हैं। इन भर्तियों का उद्देश्य त्योहारों के मौसम में देश भर में समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करना है। दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों में ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यहां त्योहारों में अच्छी मांग की उम्मीद है।

जीएसटी राहत की राह में बाधक बन रहा कमजोर रुपया

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हो रहा रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार को रुपया 88.71 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। रुपये में गिरावट की वजह से देश में आयातित उत्पाद महंगे होने की आशंका बढ़ गई है, जिसकी वजह से जीएसटी कटौती का लाभ भी कम होने की संभावना बढ़ रही है।

एच1-बी वीजा पर शुल्क लगने से रुपया दबाव में है। व्यापार नीति की अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण भी गिरावट आई है और यह सार्वकालिक निचले स्तर पर है। मई से रुपये में अब तक 4.7 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है, जिससे आयात-निर्भर क्षेत्रों की लागत बढ़ गई है। सोना, कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक व खाद्य तेलों की देश में आने की लागत 8 से 12 फीसदी तक बढ़ गई है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप, टीवी पर जीएसटी में राहत मिली है, लेकिन सितंबर में इनकी लागत 2025 की दूसरी तिमाही की तुलना में 6-11 फीसदी ऊंची है। इससे जीएसटी कटौती का फायदा 60 से 90 फीसदी तक कम हुआ है। महंगे आयात से जीएसटी कटौती के बावजूद ज्यादातर आयातित दवाइयों व मेडिकल उपकरण की रिटेल कीमतें स्थिर या थोड़ी ऊंची बनी हुई हैं।

आयातित श्रेणियों में जीएसटी कटौती के लाभ को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में कमी आएगी। आयात लागत बढ़ने से कंपनियों के लिए रिटेल छूट बढ़ाना मुश्किल होगा। महंगे आयात से घरेलू निर्माता और रिटेलर्स को फायदा होगा, जबकि आयातक एशियाई देशों से सोर्सिंग शिफ्ट करने की योजना बना रहे हैं।

जेएसडब्ल्यू स्टील के पक्ष में आया 'सुप्रीम' फैसला, सबसे लम्बा इंसॉल्वेंसी केस खत्म, अधिग्रहण का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड को शुक्रवार को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिवालिया हो चुके भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के 19700 करोड़ रुपये के अधिग्रहण के प्लान की मंजूरी दे दी है। इसी के साथ भारत का सबसे लम्बे समय तक चलने वाले इंसॉल्वेंसी केस भी समाप्त हो गया है। बता दें, कोर्ट ने असहमत लेनदारों की चुनौती को भी खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इंसॉल्वेंसी और बैंकरप्सी कोड के तहत कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स के फैसलों का सम्मान किया जाना चाहिए। जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली स्पेशल बेंच जिसमें जस्टीस सतीश चंद्र शर्मा और के विनोद चंद्रन यह फैसला दिया है। इस स्पेशल बेंच ने इस बात को रेखांकित किया है कि जेसएडब्ल्यू स्टील ने बीपीएसएल को मुनाफे वाली कंपनी बना दिया है। साथ ही एनसीएलटी और एनसीएलएटी के आदेश को बरकरार रखा है। बीएसई में आज जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड का स्टॉक 1151 रुपये के पर खुला था। लेकिन दिन कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 1130.20 रुपये तक लुढ़क गए थे।

बाजार के मुकाबले एयरपोर्ट पर ज्यादा बिक रही है शराब

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस खबर को देख कर ऐसा लगता है कि भारतीय हवाई अड्डों पर यात्री शराब की जम कर खरीदारी कर रहे हैं। इसका खुलासा आईडब्ल्यूएसआर ड्रिंक्स मार्केट एनालिसिस से हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में भारत के ड्यूटी-फ्री शॉप और ट्रैवल रिटेल में शराब की बिक्री में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके उलट यदि घरेलू बाजार में देखें तो इस दौरान शराब की बिक्री में बढ़ोतरी महज 6 प्रतिशत ही बढ़ी है। इसका मतलब है कि हवाई अड्डों पर शराब की बिक्री, सामान्य दुकानों से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है।

एयरपोर्ट पर व्हिस्की का जलवा: इस दौरान एयरपोर्ट पर व्हिस्की की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल आया है। कुल बिक्री में व्हिस्की का हिस्सा तीन-चौथाई है। इसकी बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, भारत के घरेलू बाजार में व्हिस्की की बिक्री 8 प्रतिशत घट गई। आईडब्ल्यूएसआर में जीटीआर (ग्लोबल ट्रैवल रिटेल) की सीनियर इनसाइट्स मैनेजर शार्लोट रीड ने हमारे सहयोगी ईटी को बताया, अगले पांच सालों में भारतीय यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही, शराब की बिक्री भी तेजी से बढ़ रही है। इससे साफ है कि भारतीय यात्री ग्लोबल ट्रैवल रिटेल की सफलता के लिए बहुत जरूरी होंगे।

एयरपोर्ट रिटेल महत्वपूर्ण: दरअसल, ग्लोबल ट्रैवल रिटेल, शराब कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया बनता जा रहा है। खासकर ऐसे समय में जब शराब उद्योग में बिक्री स्थिर हो गई है। अनुमान है कि 2024 से 2029 के बीच ग्लोबल टोटल बेवरेज अल्कोहल की खपत स्थिर रहेगी। लेकिन आईडब्ल्यूएसआर का अनुमान है कि जीटीआर में बिक्री 3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एशिया में यह दर 4 प्रतिशत तक हो सकती है। वैसे भी भारत में मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। लोगों की आमदनी बढ़ रही है और उनकी खर्च करने की आदतें भी बदल रही हैं।

भारतीयों के बीच ट्रैवल डिमांड बढ़ी

रीड आगे कहती हैं, भारत में लोगों की आमदनी और घूमने-फिरने की मांग, दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले तेजी से बढ़ रही है। इससे ग्राहकों के खर्च करने के तरीके बदलेंगे और जीटीआर में मांग बढ़ेगी। उनके अनुसार, भारतीय ग्राहक अब सिर्फ कीमत और जरूरत के हिसाब से नहीं खरीदते। वे ब्रांड और अनुभव को भी महत्व देते हैं। खासकर मिलेनियल पीढ़ी के लोग। रेडिको खेतान के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमर सिन्हा का कहना है कि यात्री हवाई अड्डे पर समय बिताते हुए ब्रांडों को देखते हैं। खासकर प्रीमियम और लग्जरी ब्रांडों को। उनके अनुसार, लोगों के पास हवाई अड्डे पर घूमने-फिरने और ब्रांडों को देखने का काफी समय होता है। इससे उन्हें खरीदने से पहले ब्रांड के बारे में जानने का मौका मिलता है।

आरबीआई के आंकड़े: नवरात्रि के पहले दिन ई-कॉमर्स की बिक्री में इजाफा

● आरटीजीएस लेनदेन में सर्वाधिक वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी दरों में कटौती से नवरात्रि के पहले दिन जमकर खरीदारी हुई। इसका असर यह हुआ कि डिजिटल भुगतान 22 सितंबर को एक दिन में 10 गुना बढ़कर 11.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 21 सितंबर को 1.18 लाख करोड़ था।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, नवरात्रि के पहले दिन ई-कॉमर्स की बिक्री में जमकर इजाफा हुआ। उपभोक्ता सामानों की अच्छी खरीदारी हुई। आंकड़े बताते हैं कि आरटीजीएस से 22 सितंबर को 8.19 लाख करोड़ रुपये के 11.25 लाख लेनदेन हुए।?एक दिन पहले 21 सितंबर को 17,166 करोड़ रुपये के 1.46 लाख लेनदेन ही हुए थे।?आरटीजीएस लेनदेन की संख्या और मूल्य में सबसे ज्यादा वृद्धि देखी गई। एनईएफटी से 21 सितंबर को 21,224 करोड़ रुपये के 1.68 करोड़ लेनदेन हुए। 22 सितंबर को लेनदेन की संख्या बढ़कर 2.69 करोड़ और मूल्य 1.58 लाख करोड़ पहुंच गया। आधार से भुगतान में भी अच्छी तेजी रही।?21 सितंबर को 18.31 करोड़ रुपये के 66,000 लेनदेन हुए। 22 सितंबर को भी लेनदेन की संख्या उतनी ही रही, लेकिन मूल्य 18.97 करोड़ रुपये हो गया। खरीदारी की रफ्तार 23 सितंबर को भी जारी रही। इस दिन 11.19 लाख करोड़ का भुगतान हुआ। 24 सितंबर को मामूली गिरावट रही।

भुगतान के लिए पसंदीदा साधनों में शामिल यूपीआई से 22 सितंबर को 37 फीसदी ज्यादा भुगतान हुआ। 63.70 करोड़ लेनदेन के जरिये 82,487 करोड़ का भुगतान हुआ। लेनदेन की संख्या 21 सितंबर को ज्यादा यानी 65 करोड़ थी, लेकिन मूल्य 60,320 करोड़ रुपये ही था। आईएमपीएस के जरिये भुगतान में करीब दोगुना की बढ़त हुई है। 21 सितंबर को 1.06 करोड़ लेनदेन के जरिये कुल 10,520 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

भारत बिल पेमेंट सिस्टम से 3,987 करोड़ का भुगतान

भारत बिल पेमेंट सिस्टम से 21 सितंबर को 65 लाख लेनदेन के जरिये 2,907 करोड़ का भुगतान किया गया। 22 सितंबर को यह बढ़कर 80 लाख और 3,987 करोड़ रुपये हो गया। डेबिट कार्ड से 21 सितंबर को पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) के जरिये 18.21 लाख लेनदेन में 455 करोड़ का भुगतान हुआ। 22 सितंबर को यह बढ़कर 29.24 लाख और 874 करोड़ रुपये हो गया। ई-कॉमर्स पर 21 सितंबर को 6.41 लाख लेनदेन में 193 करोड़ का भुगतान हुआ, जो 22 सितंबर को 14.33 लाख और 814 करोड़ रुपये पार हो गया।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी खेत के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्त अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कद्दूआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हीरी मूडी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपर्ला कार्नेया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक शत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवश्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैंगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंडी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यावसायिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देखा जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। लाल बीटल, तम्बाकू की सूंडी के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूंडी (बैंगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतीक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवशेषों के अवशेष नहीं रहते हैं।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्ली: इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फलियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे फलियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फलियाँ गिर जाती हैं एवं फलियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

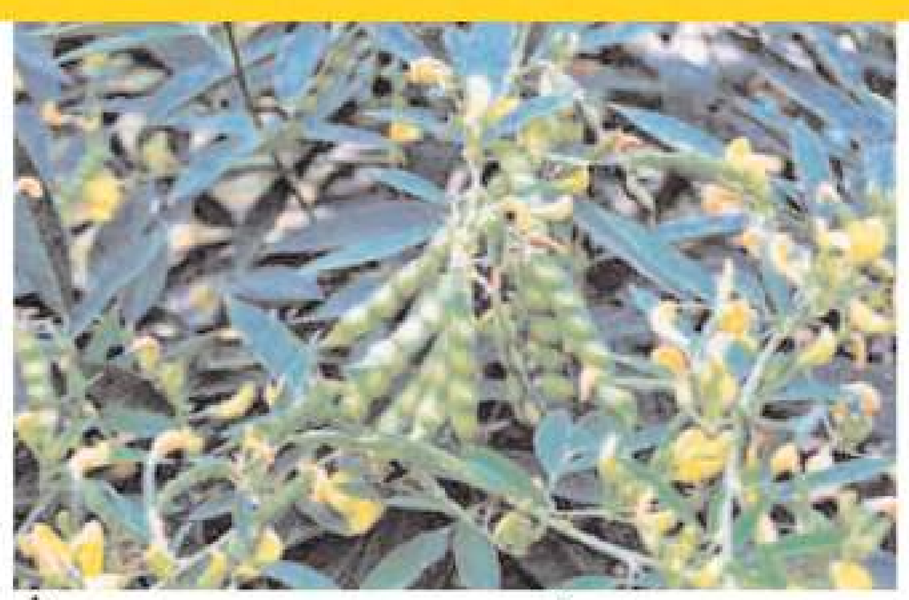

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले फफोले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मात्रा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उसका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्यादा नमी न रहे। गर्मी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करें ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती है तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती है।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फलीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएं। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु "टी" आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएं तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएं।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएं।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्ली: 5 अण्डे या तीन छोटी इल्ली/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

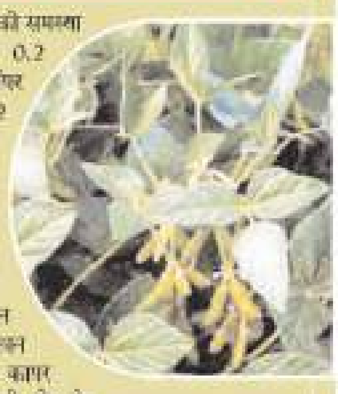

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरुआ रोग से बचाव के लिये हेक्साकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडिमेफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भीगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुण्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाकू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइट्स और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाकू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से बुवाई के समय मिट्टी में मिला दें। या थायोमिथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति

छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपेर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी. 100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

ललित गर्ग

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है।

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहां हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।

भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह

सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है।

राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरा किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा', 'देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहां कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा।

संपादकीय

सुलग उठा लद्दाख

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलनकारियों व पुलिस की झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई। हिंसा के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार को लेकर पंद्रह दिनों से चली आ रही भूख हड़ताल भी खत्म कर दी। सरकार पूर्ण राज्य के दर्जे व छठी अनुसूची में शामिल करने को लेकर कुछ लोगों को दोषी ठहरा रही है, और कह रही है, ये बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। केंद्र ने स्पष्ट किया कि इन विषयों पर बैठक अक्टूबर की बजाय इसी माह के अंत में की जा सकती है। आंदोलनकारी संगठनों से बातचीत भी की गई है। वांगचुक की निजी महत्त्वाकांक्षाओं के कारण लद्दाख व उसके युवाओं को भारी कीमत चुकाने की चर्चा भी गृह मंत्रालय कर रहा है। इस हिंसा को साजिश का नतीजा बताया जा रहा है, और माहौल खराब करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। लद्दाख जैसी शांत जगह में इससे पहले 1989 में बड़ी हिंसा हुई थी। वांगचुक पर आरोप है कि उन्होंने अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जी प्रदर्शनों का हवाला दिया जिससे जनता गुमराह हो सकती है। हालांकि उन्होंने युवाओं से अपील की कि हिंसा बंद करें क्योंकि इससे स्थिति खराब होगी। वांगचुक ने पांच बार भूख हड़ताल का हवाला देते हुए शांति के संदेश को असफल होते देख दुख व्यक्त किया। संविधान की छठी अनुसूची पूर्वोत्तर के राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम व असम की जनजातीय आबादी के लिए बनाई गई है। इसके तहत विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। लद्दाख के युवाओं में आरक्षण के प्रति भी आक्रोश है। अनुसूचित जनजातियों के लिए 45प्र. से आरक्षण बढ़ा कर 84प्र. किया गया है व महिलाओं को तिहाई आरक्षण दिया गया है। आंदोलनकारी लेह व करगिल के लिए अलग-अलग लोक सभा सीटों की भी मांग कर रहे हैं। बेशक, सरकार के किसी भी निर्णय में स्थानीय जनता की मांगों व जरूरतों को तवज्जो दी जानी चाहिए। एकतरफा फैसले जनता को उकसाने वाले साबित हो सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों का अधिकार देश के हर नागरिक को है पर भीड़ के उग्र होने, आगजनी, तोड़फोड़, व उन्माद फैलाने पर अंकुश रखना सरकार के लिए जरूरी है। इस इलाके के चीन की सीमा से लगे होने के चलते कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पूर्व चौतरफा विचार-विमर्श की जरूरत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

ओबीसी और ईबीसी वोटों की लामवंदी की कवायद

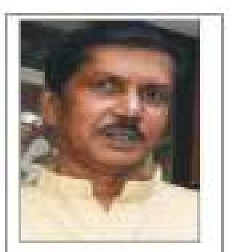

कुमार कृष्णन

पिछले 20 सालों में जो नीतीश की खूंटा गाड़ राजनीति में पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग काफी अहम रहे हैं।राहुल गांधी भी अपनी यात्रा के दौरान इसी वर्ग को साधने की कोशिश की है। पर नीतीश राजनीति के माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं।बिहार में सत्ता की चाबी ओबीसी और ईबीसी के हाथों में ही मानी जाती है।

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए अपने अभियान की शुरुआत करते हुए कांग्रेस ने तथाकथित वोट चोरी , मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और बढ़ते आर्थिक संकट को लेकर भाजपा पर चौतरफा हमला बोला और कहा कि आगामी चुनाव सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरुआत का प्रतीक होंगे।

विपक्षी दल ने विदेश नीति को लेकर भी केंद्र की आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलिंगनात्मक नीति उल्टी पड़ गई है, जिससे भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गया है और अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने में असमर्थ हो गया है।

पटना स्थित पार्टी के सदाकत आश्रम मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में किया गया। यह स्वतंत्रता के बाद बिहार में पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था की पहली बैठक थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए - एक राजनीतिक और दूसरा बिहार के मतदाताओं से अपील। बैठक में पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, कोषाध्यक्ष अजय माकन, महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव,जयराम रमेश और सचिन पायलट तथा बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल हुए। अपने उद्घाटन भाषण में खड़गे ने कहा कि भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है और उन्हें बोझ समझती है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव केंद्र में मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरुआत होगी। उन्होंने वोट चोरी , आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, सामाजिक ध्रुवीकरण और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और कमजोर करने जैसे कई मुद्दों पर भाजपा पर सीधा हमला बोला।खड़गे ने कहा कि विभिन्न राज्यों से प्राप्त खुलासों पर सवालों के जवाब देने के बजाय, चुनाव आयोग हमसे हलफनामे की मांग कर रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार की तर्ज पर अब पूरे देश में लाखों लोगों के वोट हटाने की साजिश रची जा रही है।

उन्होंने कहा कि वोट चोरी का मतलब दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, कमजोरों और गरीबों के राशन, पेंशन, दवा, बच्चों की छात्रवृत्ति और परीक्षा शुल्क की चोरी है।बिहार पर ध्यान केंद्रित करते हुए खड़गे ने कहा, एनडीए गठबंधन के भीतर आंतरिक कलह अब खुले तौर पर दिखाई दे रही है। नीतीश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से रिटायर कर दिया है। भाजपा अब उन्हें एक बोझ मानती है।

उन्होंने कहा, 2025 का विधानसभा चुनाव न केवल बिहार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन की उल्टी गिनती और अंत की शुरुआत होगी।

कांग्रेस ने बिहार में वोट चोरी और मतदाता सूची के एसआईआर मुद्दे को लेकर मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर अपना हमला तेज कर दिया।अपने राजनीतिक प्रस्ताव में, सीडब्ल्यूसी ने कहा कि चुराए गए जनादेशों और धांधली वाली मतदाता सूचियों पर बनी सरकार की कोई नैतिक या राजनीतिक वैधता नहीं है, और दावा किया कि एसआईआर की साजिश भाजपा के टूल किट से एक और गंदी चाल थी, ताकि सत्ता पर काबिज रहने के लिए मतदाता सूचियों में हेरफेर किया जा सके।

बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि अगले एक महीने में गांधी वोट चोरी पर और खुलासे करेंगे जो हाइड्रोजन बम, मिनी हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम और प्लूटोनियम बम के समान होंगे।

उन्होंने कहा, यह तो बस शुरुआत है। कर्नाटक में महादेवपुरा और अलंद से संबंधित खुलासे तो बस शुरुआत हैं, और इस प्रस्ताव में वोट चुराने के अभियान की एक लंबी कहानी है।

उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ 5 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करने का अभियान 15 सितंबर से शुरू किया गया है और यह 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा तथा ये 5 करोड़ हस्ताक्षर चुनाव आयोग को सौंपे जाएंगे।

राजनीतिक प्रस्ताव में कांग्रेस कार्यसमिति ने कहा कि भारत का चुनाव आयोग, जो लंबे समय से हमारे जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला रहा है, उसे सरकार का गुलाम मुखपत्र बना दिया गया है।प्रस्ताव में कहा गया, वोट चोरी और मतदाता सूची में अनियमितताओं ने हमारे लोकतंत्र की बुनियाद में जनता के विश्वास को हिला दिया है। कांग्रेस कार्यसमिति ने बेशर्मी से वोट चोरी का पर्दाफाश करने और लोकतंत्र को तहस-नहस करने के इन बेशर्म प्रयासों का बहादुरी से मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी को सलाम करने का संकल्प लिया।

प्रस्ताव में कहा गया है, यह भाजपा के लिए निर्वाचित बहुमत बनाने के लिए इस्तेमाल की गई व्यवस्थित और जानबूझकर की गई साजिश को उजागर करता है। चुराए गए जनादेश और धांधली वाली मतदाता सूचियों पर बनी सरकार की कोई नैतिक या राजनीतिक वैधता नहीं है।बिहार के मतदाताओं से अपनी अपील में कांग्रेस कार्यसमिति ने लोगों से अपने वोट की ताकत पहचानने का आग्रह किया।

कांग्रेस कार्यसमिति ने घोषणा की कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की साजिश आज हमारे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।कार्यसमिति ने कहा, जैसा कि बिहार में स्पष्ट है, इस प्रक्रिया को दलितों, ओबीसी, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों जैसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों के नागरिकों से उनके वोट के अधिकार को व्यवस्थित रूप से छीनने के लिए तैयार किया गया है।इसमें कहा गया है, मतदान के अधिकार पर हमले के माध्यम से यह वंचितता सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में उनके अधिकारों के साथ-साथ संवैधानिक रूप से गारंटीकृत आरक्षण को भी छीन लेगी। जब लोगों का वोट चुराया जाता है, तो उसके साथ उनका भविष्य, उनकी गरिमा और उनके संवैधानिक अधिकार भी छीन लिए जाते हैं। बिहार में एनडीए सरकार को नोट चोर करार देते हुए कांग्रेस ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध राज्य में तथाकथित डबल इंजन सरकार के दो असली इंजन साबित हुए हैं।

एआईः अवसरों और चुनौतियों का युग

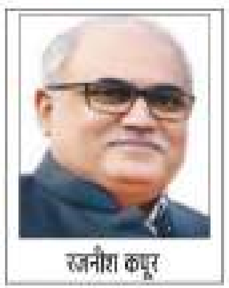

रजनीश कपूर

आज का युग तकनीकी नवाचारों का युग है, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का केंद्र बिंदु बन चुकी है। स्वास्थ्य सेवा से लेकर वित्त, शिक्षा, परिवहन और मनोरंजन तक एआई ने हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है। लेकिन इस तकनीकी क्रांति के साथ एक गंभीर चुनौती भी उभर कर सामने आई है, रोजगार का नुकसान। जैसे-जैसे मशीनें और एल्गोरिदम मानव द्वारा किए जाने वाले कार्यों को अपने कब्जे में ले रहे हैं, लाखों कर्मचारी खुद को बेरोजगार और नई आर्थिक परिस्थितियों में अनुकूलन के लिए संघर्ष करते हुए पा रहे हैं। फिर भी, यह चुनौती एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है।

एआई ने उद्योगों को पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी और सटीकता के साथ कार्य करने में सक्षम बनाया है। स्वास्थ्य सेवा में एआई-संचालित उपकरण रोगों का शीघ्र निदान कर रहे हैं, और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं बना रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में स्वचालित मशीनें और रोबोट उत्पादन प्रक्रियाओं को तेज और लागत प्रभावी बना रहे हैं। वित्तीय क्षेत्र में एआई धोखाधड़ी का पता लगाने और निवेश रणनीतियों को अनुकूलित करने में मदद कर रहा है। यहां तक कि रचनात्मक क्षेत्रों जैसे लेखन, कला और संगीत में भी एआई नये रास्ते खोल रहा है। ये प्रगतियां न केवल उत्पादकता बढ़ा रही हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं और अनुभव भी प्रदान कर रही हैं।

हालांकि, इन फायदों के साथ एक कड़वी सच्चाई भी जुड़ी है। एआई और स्वचालन ने कई पारंपरिक नौकरियों को अप्रचलित कर दिया है। डेटा प्रविष्टि, विनिर्माण, ग्राहक सेवा और यहां तक कि कुछ विश्लेषणात्मक कार्य अब मशीनों द्वारा किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, अगले कुछ दशकों में विश्व स्तर पर लाखों नौकरियां स्वचालन के कारण खत्म हो सकती हैं। भारत जैसे देश, जहां बड़ी आबादी कार्यबल में शामिल है, में यह चुनौती और भी गंभीर है। निम्न-कौशल और मध्यम-कौशल वाली नौकरियां सबसे अधिक जोखिम में हैं। ड्राइवर, फैक्ट्री वर्कर और कॉल सेंटर कर्मचारी जैसे पेशे तेजी से मशीनों द्वारा प्रतिस्थापित किए जा रहे हैं। एआई के कारण होने वाला रोजगार नुकसान आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक-मनोवैज्ञानिक चुनौती भी है। बेरोजगारी न केवल व्यक्तियों की आय को प्रभावित करती है, बल्कि उनके आत्मसम्मान और सामाजिक स्थिति को भी ठेस पहुंचाती है। भारत जैसे विकासशील देश, जहां पहले से ही बेरोजगारी और अंडरएम्प्लॉयमेंट की समस्या है, में एआई-प्रेरित नौकरी हानि को और जटिल बना सकती है। इसके अलावा नई तकनीकों को अपनाने की गति और कौशल की कमी के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। कई श्रमिकों के पास नई तकनीक सीखने के लिए आवश्यक संसाधन या अवसर नहीं हैं। परिणामस्वरूप वे आर्थिक मुख्यधारा से बाहर हो रहे हैं। इस संकट का सामना करने के लिए पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन सबसे प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर सामने आए हैं।

पुनः कौशल विकास का अर्थ है श्रमिकों को पूरी तरह से नये कौशल सिखाना जो उन्हें बदलते नौकरी बाजार में प्रासंगिक बनाए रखे। कौशल उन्नयन मौजूदा कौशलों को और उन्नत करने पर केंद्रित है ताकि श्रमिक अपनी वर्तमान भूमिकाओं में अधिक प्रभावी हो सकें। एक फैक्ट्री कर्मचारी को रोबोटिक्स या डेटा विश्लेषण में प्रशिक्षित किया जा सकता है, जबकि एक ग्राहक सेवा प्रतिनिधि को एआई-संचालित चैटबॉट्स के प्रबंधन में प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके लिए सरकार को नीतियां बनानी होंगी जो प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुलभ और सस्ता बनाएं।

भारत में, 'स्किल इंडिया' जैसे कार्यक्रम पहले से ही इस दिशा में काम कर रहे हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव को और बढ़ाने की आवश्यकता है। विशेष रूप से, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए जहां अधिकांश निम्न-कौशल श्रमिक रहते हैं। शैक्षणिक संस्थानों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। स्कूलों और कॉलेजों को अपने पाठ्यक्रमों को अद्यतन करना होगा ताकि वे डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा और अन्य उभरते

क्षेत्रों पर ध्यान दें।

रोजगार का नुकसान ऐसी चुनौती है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन के माध्यम से हम संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत, जिसके पास दुनिया का सबसे अधिक युवा कार्यबल है, इस बदलाव का नेतृत्व कर सकता है बशर्ते सरकार, शैक्षणिक संस्थान और निजी क्षेत्र इसके लिए संयुक्त प्रयास करें। भारत ऐसी कार्यबल तैयार कर सकता है, जो न केवल एआई-प्रधान दुनिया में प्रासंगिक रहे, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी अग्रणी भूमिका निभाए। समय की मांग है कि हम चुनौती को स्वीकार करें और समावेशी, कौशल-प्रधान भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

(लेख में विचार निजी हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

सान्या मल्होत्रा ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीत का अनोखे अंदाज़ में किया सेलिब्रेट

कटहल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, स्टार कलाकार सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में क्यों शामिल हैं। उनका सोशल मीडिया कैप्शन — कटहल नहीं मिला तो क्या हुआ, राष्ट्रीय पुरस्कार तो मिल गया — इस जश्न के मूड को बखूबी बयां करता है, जो उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत के बीच लंबे समय से इंतजार था। लेकिन यह सफलता कोई अकेली उपलब्धि नहीं है। सान्या का 2025 का सफर असाधारण संतुलन का प्रतीक है — 'सैम बहादुर' और शाहरुख खान की 'जवान' में उनके प्रदर्शन को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया। चाहे भावनात्मक गहराई वाले किरदार हों या बड़े पैमाने पर बनी व्यावसायिक फिल्में — सान्या ने दिखा दिया कि वे हर क्षेत्र में निपुण हैं। सान्या की यात्रा को खास बनाता है उनका वह गुण जिससे वे समान रूप से इंडी और मुख्यधारा की फिल्मों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। जहां 'कटहल' ने उन्हें आलोचनात्मक सराहना और राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, वहीं उनकी आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और एक ऐक्शन-कॉमेडी फिल्म (जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होगी) उनके मेनस्ट्रीम स्टारडम को और मजबूत करती हैं दर्शक अब सिर्फ उन्हें देख नहीं रहे — वे चाहते हैं कि सान्या बड़ी फिल्मों की मुख्य अभिनेत्री बनें और पूरी चमक के साथ स्क्रीन पर छा जाएं। यह जीत सान्या के करियर का एक निर्णायक मोड़ है, जो यह दर्शाती है कि वे हर किरदार में गहराई और सच्चाई के साथ जान फूंक देती हैं। उनके प्रशंसकों और साथियों के लिए यह जीत केवल एक पेशेवर उपलब्धि नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पल भी रहा — यह याद दिलाता है कि सर्वोच्च स्तर पर मिलने वाला सम्मान दिल को भी छूता है।

मेरी ताकत परिवार का प्यार, इसने मेरी शक्ति को जगाया

साल 2024 की प्रेरक फिल्म 'लापता लेडीज' से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री प्रतिभा रांटा की यात्रा हर युवा अभिनेत्री के लिए मिसाल है। अमर उजाला से खास बातचीत में प्रतिभा ने अपनी इस यात्रा के ऐसे अनुभव साझा किए, जो हर महिला को अपने भीतर की ताकत पहचानने और हर चुनौती का हिम्मत से सामना करने के लिए प्रेरित करेंगे।

मुंबई का पहला कदम और नए अनुभव

'जब मैं शिमला से मुंबई आई, तब मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि मेरा जीवन कैसे बदलेगा। यह मेरे लिए एक नई शुरुआत थी। शूटिंग के लिए अलग-अलग शहरों में जाना, नए लोगों से मिलना, पहली बार पर्दे पर अपनी कहानी पेश करना। हर दिन नए अनुभव और चुनौतियां से भरा था। कई बार लगा कि मैं आगे कैसे बढ़ूंगी, लेकिन हर मुश्किल ने मुझे और मजबूत बनाया। आज पीछे मुड़कर देखती हूं, तो पाती हूं कि यही अनुभव मेरी सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं।

अकेलेपन और संघर्ष का सामना

शुरुआती दौर में मुंबई में बहुत अकेलापन महसूस हुआ। हर दिन नए लोगों और नए प्रोजेक्ट्स के बीच खुद को साबित करना आसान नहीं था, लेकिन मैंने खुद से कहा- 'तुम्हारे भीतर ताकत है, छोटे-छोटे कदम बढ़ाते रहो।' मैंने छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाया। अपने अनुभवों से सीखा और कभी हार नहीं मानी। यही एहसास कि कठिनाइयों में भी हम खुद को संभाल सकते हैं, मेरी सबसे बड़ी ताकत बन गया।

करियर का टर्निंग पॉइंट

मेरा पहला ब्रेक फिल्म 'लापता लेडीज', करियर की टर्निंग पॉइंट बनी। यह सिर्फ मेरी शुरुआत नहीं थी बल्कि मेरी मेहनत और संघर्ष का परिणाम था। उस समय मुझे लगा कि मेरी कहानी अब लोगों तक पहुंचेगी और सच में ऐसा हुआ भी। उस दिन यकीन हुआ कि मेहनत, आत्मविश्वास और हिम्मत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। यह सीख मुझे आज भी हर नई चुनौती के लिए तैयार रखती है।

डर और शंका को पार करना

नई राह पर कदम रखना हमेशा आसान नहीं होता। डर और संदेह आते हैं। मैं खुद से कहती हूं- 'प्रतिभा, चलते रहो ... गहरी सांस लो, खुद पर भरोसा रखो।' हर दिन एक छोटा कदम आगे बढ़ाना, चाहे कितना भी मुश्किल क्यों न लगे, यही मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। डर को समझना और उसके बावजूद कदम बढ़ाना ही सही रास्ता है।

पहली फिल्म ने दी नई दिशा और आत्मविश्वास

पहली फिल्म ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। अब मैं खुद फैसले ले सकती हूं, समझ सकती, कि मैं क्या करना चाहती हूं और खुद को नए तरीके से चुनौती दे सकती हूं। नए प्रयोग करने का साहस तभी आता है जब आपने अपने पहले कदम में खुद को साबित किया हो और लोगों ने उसे पसंद किया हो। यह अनुभव मुझे नई एनर्जी और आत्मविश्वास देता है। अब कोई भी चुनौती मुझे डराती नहीं, बल्कि मुझे और मजबूत बनाती है।'

परिवार और समर्थन की ताकत

मेरे परिवार, खासकर मेरे दादा-दादी, ने हर चुनौती में मेरा हौसला बढ़ाया। बॉलीवुड अनिश्चितताओं से भरा है, हर दिन नया संघर्ष और नई परीक्षा लेकर आता है। कई बार लगता है कि क्या मैं सफल हो पाउंगी, लेकिन परिवार का प्यार और समर्थन मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है। यही ताकत मुझे स्थिर रखती है और मेरे भीतर की शक्ति को जगाती है।

विक्की जैन का बॉलीवुड डेब्यू, पत्नी अंकिता ने दी बधाई

टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति भी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। वह यामी गौतम और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक से बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे आप पर बहुत गर्व है, प्यारे पति विक्की जैन। आपका हर कदम, आपकी हर उपलब्धि मुझे और भी ज्यादा उत्साहित करती है। अब इस अद्भुत फिल्म हक के सहयोगी निर्माता के रूप में आपकी लगन, कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता पहले से कहीं ज्यादा चमक रही है। उन्होंने फिल्म की टीम की सराहना करते हुए आगे लिखा, पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। विनीत सर, यामी, इमरान हाशमी, वर्तिका सिंह, संदीप, विशाल, जूही और इसमें शामिल सभी लोग। आप सभी को शुभकामनाएं। यह फिल्म लोगों के दिलों को छू लेगी और मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हूं। 7 नवंबर को यह रिलीज होने वाली है, तारीख याद रखें।

अंकिता ने आगे लिखा, संदीप सिंह, आप मेरे परिवार का हिस्सा हैं। एक प्रमुख अभिनेत्री के रूप में मेरी पहली फिल्म आपके साथ थी और अब विक्की के सफर के साथ। हमारा यह संबंध और भी मजबूत होने जा रहा है। आपके साथ होना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। हमेशा आगे बढ़ते रहें।

फिल्म हक के बारे में बात करें तो, यह मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम केस पर आधारित है। यह भारत की सबसे चर्चित कानूनी लड़ाइयों में से एक है। वहीं कुछ दिनों पहले अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन का एक्सीडेंट हुआ था। उनके हाथ में गंभीर चोट आई और 45 टांके लगे थे। तब अंकिता लोखंडे अस्पताल में उनकी देखभाल करती दिखाई दी थीं। इस दौरान वे अपने पति की हालत देख भावुक हो गई थीं।

गोलीबारी की घटना के बाद दिशा ने शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

दिशा पाटनी बीते कुछ दिनों से अपने बरेली स्थित घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना को लेकर चर्चा में हैं। पुलिस जांच कर रही है। इस बीच दिशा की आगामी फिल्म को लेकर खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दिशा की अगली फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म में दिशा के साथ इमरान हाशमी नजर आएंगे। डीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इमरान हाशमी और दिशा पटानी ने बैंकॉक में आवारापन 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि बैंकॉक में फिल्म का शेड्यूल करीब एक महीने कहा है और इस दौरान फिल्म का 50 फीसदी हिस्सा वहीं शूट किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले खबर आई थी कि फिल्म की शूटिंग सितंबर के आखिर में शुरू होगी। अब खबरें हैं कि आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

लीड रोल में हैं दिशा पाटनी

कुछ वक्त पहले फिल्म को लेकर खबर आई थी कि विशेष भट्ट और नितिन कक्कड़ ने इमरान हाशमी के साथ आवारापन 2 के लिए अभिनेत्री दिशा पटानी को लीड रोल में साइन किया है। वहीं, पिंकविला के मुताबिक, फिल्म आवारापन 2 इस हफ्ते बैंकॉक में शूट हो रही है। फिल्म की शूटिंग वहां करीब महीनेभर चलेगी। यह एक मैराथन शेड्यूल है, जहां फिल्म का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शूट किया जाएगा।

कब तक पूरी हो सकती है शूटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक टीम फिल्म को मुख्य जगहों पर व्यापक स्तर पर शूट करना चाहती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि निर्माता अपना सारा फोकस एक चार्टबस्टर म्यूजिक एल्बम को क्यूरेट करने पर लगा रहे हैं और सभी संगीतकारों के साथ मिलकर बेस्ट आउटपुट हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। दरअसल, आवारापन फ्रेंचाइजी में म्यूजिक की अहम भूमिका है। मेकर्स इसके सीक्वल में संगीत के स्तर पर फैंस को निराश नहीं करना चाहते। बैंकॉक में फिलहाल करीब 30 दिन के शेड्यूल के बाद नवंबर में एक बार फिर से साथ जुटेंगी।

झूठ बोलने के कारण ट्रोल हुए ये सेलेब्स

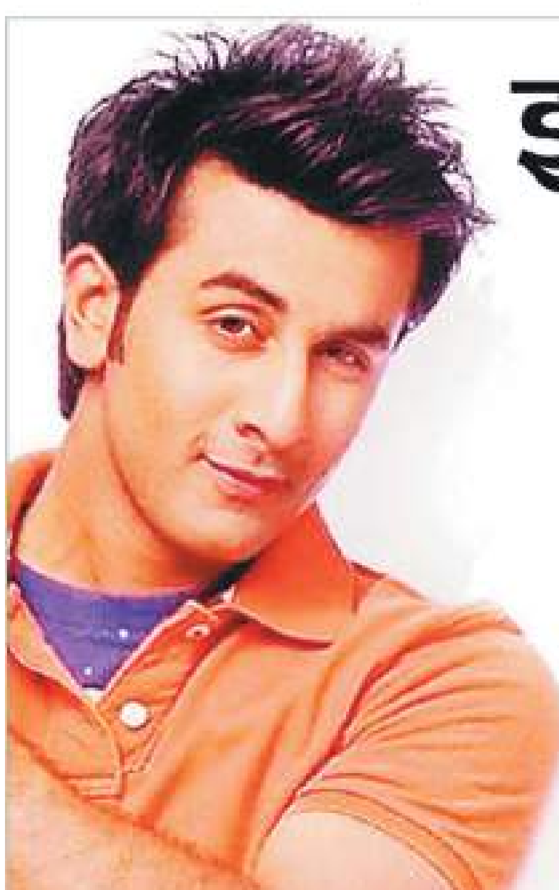

बॉलीवुड सेलेब्स अपनी इमेज को फैंस के सामने हमेशा चमका कर रखना चाहते हैं। कई स्टार्स अपने करियर स्ट्रगल को बढ़ा-चढ़ाकर बोलते हैं। कई एक्ट्रेस अपने लुक में आए चेंज को नेचुरल बताती हैं। वहीं कुछ स्टार्स अपनी बदली हुई आदतों से फैंस को इंप्रेस करने की कोशिश करते हैं। लेकिन ये सभी बातें आगे चलकर बहुत बड़ा झूठ साबित हो जाती हैं। झूठ बोलने के कारण ये सेलेब्स ट्रोल भी होते हैं।

रणबीर कपूर

पिछले साल निखिल कामथ के पॉडकास्ट में रणबीर कपूर ने जिक्र किया था कि बेटी राहा के जन्म के बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है, उन्होंने सिगरेट पीना भी छोड़ दिया है। लेकिन लगता नहीं है कि रणबीर कपूर अपनी बात पर टिक पाए। हाल ही में आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में रणबीर कपूर ने कैमियो किया। सीरीज के एक सीन में वह वैप (ई सिगरेट) पीते दिखे। यूजर्स ने इस बात को लेकर रणबीर कपूर को ट्रोल किया।

मौनी रॉय

मौनी रॉय अक्सर ही अपने कॉस्मेटिक प्रोसिजर के कारण ट्रोल होती हैं। लेकिन वह कई इंटरव्यू में इस बात से इंकार कर चुकी हैं कि उन्होंने कोई प्लास्टिक सर्जरी कराई। मगर उनकी कई साल पुरानी तस्वीर और आज के लुक में जमीन-आसमान का अंतर है। ऐसे में मौनी रॉय का यह कहना कि कॉस्मेटिक सर्जरी नहीं कराई, अपने आप एक झूठ साबित हो जाता है।

रणवीर सिंह

रणवीर सिंह अपने करियर के शुरुआती स्ट्रगल का जिक्र बहुत करते हैं। कई फैंस उन्हें आउटसाइडर मानते हैं, क्योंकि रणवीर सिंह की बातों से लगता है कि उनका कोई फिल्मी कनेक्शन नहीं रहा है। जबकि रणवीर सिंह का बॉलीवुड से अच्छा-खासा नाता है। रणवीर सिंह की दादी चांद बर्क एक एक्ट्रेस थीं। चांद बर्क ने राज कपूर की फिल्म 'बूट पॉलिश' में अभिनय किया था।

फराह खान ने खोली पोल

फराह खान अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर एक बार फराह खान ने बताया था कि एक्टर्स कई बातों को लेकर झूठ बोलते हैं। फराह खान बताती हैं कि जो सेलेब्स कहते हैं कि उनकी फिटनेस नेचुरल है, वह झूठ बोलते हैं। इसके लिए वह खुद को भूखा तक रखते हैं, 24 घंटे जिम में रहते हैं। इसके अलावा फराह खान ने बताया था कि जिम के बाहर पैपराजी को सेलेब्स खुद ही बुलाते हैं।

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से करारी हार दी, सीरीज में किया क्लीन स्वीप

ब्रिसबेन (एजेंसी)। वेदांत त्रिवेदी (86) और राहुल कुमार (62) की अर्धशतकीय पारियों के बाद खिलन पटेल (चार विकेट) और उद्धव मोहन (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की अंडर -19 को पहले ही ओवर में कनिष्क चौहान ने एलेक्स ली यंग (चार) को आउटकर पहला झटका दिया। इसके बाद उद्धव मोहन ने स्टीवन होगन (नौ), कप्तान विल मालाजचुक (15) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाया। टॉम होगन ने एलेक्स टर्नर के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 20वें ओवर में कनिष्क चौहान ने एलेक्स टर्नर (32) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने दबाव बनाते हुए टॉम होगन (28) को रन आउट कर दिया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज अधिक देर नहीं टिक सके और ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 28.3 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से खिलन पटेल ने 7.3 ओवर में 26 रन देकर (चार विकेट) लिये। उद्धव मोहन ने पांच ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट झटके। कनिष्क चौहान ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारत की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत को पहला झटका दूसरे ही ओवर में कप्तान आयुष म्हात्रे (चार) के रूप में लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी को आगे बढ़ाया और स्कोर को 36 रन तक ले गये, इसी दौरान चार्ल्स लैचमुंड ने वैभव सूर्यवंशी (16) को अपना शिकार बना लिया। वेदांत त्रिवेदी ने विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिये 69 रन जोड़े। 21वें ओवर में विल मालाजचुक ने विहान मल्होत्रा (40) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए राहुल मल्होत्रा ने वेदांत त्रिवेदी के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। 38वें ओवर में केसी बार्टन ने शतक की ओर बढ़ रहे वेदांत त्रिवेदी को आउट कर पवेलियन भेज दिया। वेदांत त्रिवेदी ने 92 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 86 रनों की पारी खेली। हरवंश पंगालिया (23) पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए। राहुल कुमार ने 84 गेंदों में छह चौकों की मदद से 62 रन बनाए।

कनिष्क चौहान (सात), अम्ब्रिश (एक), दीपेश देवेंद्रन दो रन बनाकर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 280 रन का स्कोर बनाया। खिलन पटेल 20 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के लिए विल बायरोम, केसी बार्टन ने तीन-तीन विकेट लिये। चार्ल्स लैचमुंड, बेन गॉर्डन, विल मलाजचुक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

चाइना ओपन में कोको गॉफ की विजयी शुरुआत, रूस की राखिमोवा को सीधे सेटों में हराया

बीजिंग (चीनी) (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कमिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया। 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई।

कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।% गॉफ का अगला मुकाबला कनाडा की विश्व नंबर 25 खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज से होगा, जिन्होंने मरिया सक्कारी को 6-2, 6-0 से हराया।

एशिया कप फाइनल में पहली बार भारत-पाकिस्तान का होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप फाइनल में रविवार को भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच पहली बार मुकाबला होगा। एशिया कप में ये पहली बार होगा जब फाइनल में इन दोनो टीमों में टक्कर हो रही है। इस बार दोनो टीमों के बीच लीग और सुपर फोर में भी मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम जीती थी। अब एक बार फिर दोनों टीमें फाइनल में उतरने जा रही हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार विजेता बनना रहेगा। भारतीय टीम ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में फाइनल में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने एशिया कप 8 बार जीता है जबकि पाकिस्तान ने 2 बार जीता है। भारतीय टीम ने साल 1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में जीत दर्ज की जबकि पाक ने साल 2000 और 2012 में इस टूर्नामेंट को जीता था। इस बार भारतीय टीम ने सुपर फोर में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराया। भारतीय टीम ने इस बार लीग और सुपर फोर के पहले ही मैच में पाक को एकतरफा अंदाज में हराया था। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य उसके खिलाफ तीसरी जीत दर्ज करना रहेगा। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में फाइनल खेला था। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में एशिया कप का फाइनल खेला था। उस संस्करण में पाकिस्तानी टीम उपविजेता रही थी। दूसरी ओर, भारत ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में एशिया कप 2023 के फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर आठवीं बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था.

एशिया कप फाइनल : सूर्यकुमार पर बड़ा एक्शन, आईसीसी ने फाइनल से पहले की कार्रवाई

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले के लिए आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दरअसल 14 सितम्बर को खेले मैच के बाद एक बयान में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य झड़प का हवाला दिया था।

आईसीसी की आचार संहिता के मुताबिक क्रिकेट से इतर राजनीतिक या संवेदनशील मुद्दों को जोड़कर टिप्पणी करना नियमों के खिलाफ माना जाता है। पाकिस्तान ने सूर्यकुमार के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का मामला दर्ज कराया था। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर अपनी टीम की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पहलगाम पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए टॉस के समय और मैच के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पारंपरिक हाथ मिलाने से इनकार करने के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर है।

30 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

मैच रेफरी ने जांच के बाद सूर्यकुमार यादव पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया। हालांकि यह एक लेवल-1 अपराध माना गया है, इसलिए किसी तरह का बैन या निलंबन नहीं लगाया गया। भारतीय कप्तान की सुनवाई आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने की। सूर्यकुमार ने आरोप हालांकि से इनकार किया और उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों में ऐसा कोई बयान नहीं देने को कहा गया जिसे राजनीतिक माना जा सके।

आचार संहिता के तहत मामला

आईसीसी की आचार संहिता खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह देती है, जो किसी राष्ट्र, धर्म या राजनीतिक विवाद को छूती हों। सूर्यकुमार यादव ने फैसले को स्वीकार कर लिया है इसलिए अब किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं होगी।

हारिस रऊफ पर भी लगा जुर्माना

वहीं भारत के खिलाफ मैच एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को गोली चलाने का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई है। इसी के साथ ही हारिस रऊफ पर अभिषेक शर्मा के साथ आक्रामक व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप के लिए आजकल अभ्यास में लगी हुई है। विश्वकप भारत और श्रीलंका के मैदानों में खेला जाएगा। भारतीय टीम अभ्यास के दौरान सबसे अधिक ध्यान क्षेत्ररक्षण सुधारने पर लगा रही है। इसका कारण है कि टीम का क्षेत्ररक्षण कमजोर है और उसे इस विभाग में सुधार की जरूरत लगी है। अभ्यास सत्र का एक विडियो भी आया है। इसमें टीम वॉर्म-अप की शुरुआत फुटबॉल खेलने से करती दिखी। इसके बाद फिर उसने कैच और थ्रो का अभ्यास किया। अभ्यास सत्र का अधिकतर हिस्सा क्षेत्ररक्षण पर ही केंद्रित था जिसमें खिलाड़ी नजदीक से स्टंप्स पर हिट करती, तेजी से 'पिक और थ्रो' करती दिखीं। मैच के सामान ही तेजी से गेंद विकेटकीपर को देते दिखी। हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण काफी कमजोर था इस कारण उसे 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी। एकदिवसीय विश्व कप गुवाहाटी में भारत और श्रीलंका के बीच मैच 30 सितंबर को होने वाले पहले मैच से शुरू होगा। इसमें दो बार की उप विजेता भारतीय टीम का लक्ष्य अपना पहला खिताब जीतना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं रोहित, 10 किलो वजन घटाया

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आजकल ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारियों में लगे हैं। रोहित इसी कारण फिटनेस बेहतर बनाने में लगे हुए हैं। पिछले कुछ समय में बढ़ते हुए वजन को लेकर उठते हुए सवालों के कारण रोहित ने अपनी वजन भी 10 किलो घटा लिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में रोहित के प्रशसकों को उन्हें देखने का अवसर मिलेगा। रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं। ऐसे में प्रशसक उन्हें लंबे समय के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय मैच को खेलते हुए देखेंगे। रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर एकदिवसीय विश्वकप 2027 के लिए टीम में जगह बनाये रखना रहेगा। इस दौरान बढ़ती उम्र में फिटनेस बनाये रखना उनके लिए सबसे कठिन होगा। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने रोहित के नये लुक ककी तस्वीर साझा करते हुए लिखा है कि उन्होंने अपना वजन 10 किलोग्राम कम किया है। उन्होंने रोहित के अभ्यास सत्र की एक तस्वीर भी साझा करते हुए लिखा है कि दस किलो वजन कम करने के बाद भी काम में लगे हुए हैं। गौरतब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अगले महीने 19 अक्टूबर से शुरु होगी। इसके साथ करीब सात माह के बाद रोहित एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखाई देंगे। वह पिछली बार मार्च में आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखाई दिए थे। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल उनका आखिरी मैच था।

शोएब अख्तर ने एशिया कप फाइनल से पहले पाकिस्तान टीम को दिया जीत का फॉर्मूला

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 का महामुकाबला तय हो चुका है। भारत और पाकिस्तान तीसरी बार आमने-सामने होंगे, लेकिन इस बार दांव कहीं ज्यादा बड़ा है ट्रॉफी का। भारत दोनों पिछली भिड़ंत में बाजी मार चुका है, जबकि पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर शानदार अंदाज में फाइनल का टिकट कटाया। ऐसे माहौल में पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को खास सलाह दी है।

पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी

रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर ने 'गेम ऑन है' शो में कहा कि पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी। अख्तर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा पाकिस्तानी टीम पर असर डालता है और इसे तोड़ना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'इस मानसिकता से बाहर निकलो, उनके आभामंडल को किनारे रखो। बस उनके आभामंडल को तोड़ दो। वही रवैया अपनाओ जो बांग्लादेश के खिलाफ दिखाया था। तुम्हें 20 ओवर बस निकालने नहीं हैं, तुम्हें विकेट लेने हैं।'

अभिषेक शर्मा पर नजर

रणनीति के तौर पर अख्तर ने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर फोकस करना होगा। अख्तर के मुताबिक अभिषेक को जल्दी आउट कर दिया गया तो भारत दबाव में आ जाएगा और पाकिस्तानी गेंदबाजों के लिए मौके खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी बात याद रखना, अगर अभिषेक शर्मा पहले दो ओवरों में आउट हो गए तो भारत मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्हें शुरुआती बढ़त मत देना है। हां, वह गलत टाइमिंग करेंगे, बस आपको पूरा दम लगाना होगा।'

भारत पाकिस्तान के खिलाफ अलग खेलता है

गंभीर के अनुभव साझा करते हुए अख्तर ने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को जानता हूं। वह अपनी टीम से हमेशा कहते हैं, पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ दो। पाकिस्तान चाहे लीग स्टेज में ढीला खेले, लेकिन जैसे ही फाइनल आता है, वो सबसे अच्छा क्रिकेट खेलता है। हमारे साथ पहले भी ऐसा कई बार हुआ है।'

फाइनल से पहले का माहौल

भारत फाइनल में बड़े दावेदार के तौर पर उतर रहा है, लेकिन पाकिस्तान की जीत के लिए शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी और बल्लेबाजी के साथ टीम की आत्मविश्वास भरी मानसिकता अहम होगी। शोएब अख्तर के संदेश ने साफ कर दिया है कि यह मैच सिर्फ कौशल नहीं, बल्कि दिमाग और हिम्मत का भी इम्तिहान होगा।

भारी बारिश के कारण अंतिम दिन का खेल रद्द, जमाल हुसैन ने जीता गोलकोंडा मास्टर्स का खिताब

हैदराबाद। बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (HGA) में भारी बारिश के कारण अंतिम राउंड रद्द होने के बाद 1 करोड़ रुपए की एनएसएल लक्स प्रेजेंट्स तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2025 का विजेता घोषित किया गया। टूर्नामेंट का परिणाम 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया क्योंकि खराब मौसम के कारण चौथे राउंड में कोई खेल संभव नहीं था। जमाल हुसैन (61-62-64), जिन्होंने 54 होल के अपने 23-अंडर 187 के स्कोर की बदौलत तीसरे राउंड के बाद चार शॉट से बढ़त बनाई, ने इस तरह अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता। परिणामस्वरूप, ढाका के 40 वर्षीय खिलाड़ी ने 15 लाख रुपये की विजयी राशि प्राप्त की, जिससे वह 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 14वें स्थान से 10वें स्थान पर पहुंच गए। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (62-64-65) ने तीन राउंड के बाद 19-अंडर 291 का कुल स्कोर बनाकर उपविजेता स्थान प्राप्त किया। अक्षय ने 10 लाख रुपये का चेक प्राप्त किया और पीजीटीआई की मेरिट सूची में 34वें स्थान से 21वें स्थान पर पहुंच गए। बेंगलुरु के खलिन जोशी (65-66-66) ने 13-अंडर 197 के कुल स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

टीम इंडिया ए ने रचा इतिहास, केएल राहुल और साई सुदर्शन ने ठोके शतक

लखनऊ। इंडिया ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की है। 412 रन के लक्ष्य को चेज कर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। इससे पहले टीम ए टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी टीम ने ऐसा कमाल नहीं किया। भारत के इस रिकॉर्ड रन चेज में दो बल्लेबाजों ने शतकीय पारी खेली। दरअसल, टीम ए टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम ने 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज किया हो। इससे पहले किसी भी टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज नहीं किया था। भारत के इस रिकॉर्ड रन में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने अहम भूमिका निभाई।

भारत ने चेज किया 412 रन का टारगेट- मैच में इंडिया ए के सामने जीत के लिए 412 रनों का टारगेट था। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया ए को इस मैच में बेहतरीन शुरुआत मिली। एन जगदीशन और केएल राहुल के बीच पहले विकेट के लिए 176 रन की पार्टनरशिप हुई। एन जगदीशन 36 रन बनाकर आउट हुए जिसके बाद केएल राहुल रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे।

वहीं चौथे दिन केएल राहुल ने फिर से बल्लेबाजी की और 176 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी इस पारी में उन्होंने 16 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन शतक जड़ा। वह 172 गेंद में 100 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 66 गेंद में 56 रनों की पारी खेली। नितीश कुमार रेड्डी 16 रन बनाकर नाबाद लौटे। राहुल को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

इरफान पठान ने पाक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर सवाल उठाये

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर ही सवाल खड़े कर दिये हैं। पठान ने कहा कि बेहद खराब बल्लेबाजी के बाद भी सैम को गेंदबाजी के तौर पर टीम की जगह मिलना हैरानी की बात है। पठान ने कहा कि सैम ने अब तक के पांच मैचों में केवल 23 रन बनाये हैं और वह चार बार शून्य पर ही आउट हुए हैं। अगर ऐसा प्रदर्शन किसी अन्य देश में होता तो करियर ही समाप्त हो जाता पर सैम कैसे टीम में बने हुए हैं, समझ नही आ रहा। सैम अयूब एशिया कप में बल्लेबाज के तौर पर चलाए रहे हैं। वह भारत के खिलाफ सुपर 4 के पहले मैच में 21 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ 2 रन ही बना पाये। बाकि के मैचों में शून्य पर आउट हुए। सैम अयूब के बांग्लादेश के खिलाफ सुपर सिक्स मैच में शून्य पर आउट होने के बाद पठान ने कमेंट्री के दौरान कहा, अगर ऐसा प्रदर्शन किसी और देश के लिए होता तो करियर कब का खत्म हो जाता। इस बल्लेबाज ने 6 मैच खेलने के बाद केवल 23 रन बनाए हैं ये सोचने वाली बात है कि एक टीम का ओपनर जिसे रन बनाने के इतने मौके मिलते है, वही उसमें विफ रहता है। उसे अगर गेंदबाजी की वजह से अंतिम ग्यारह में जगह मिल रही है तो पारी की शुरुआत कोई और करे क्योंकि सलामी बल्लेबाज के शीघ्र आउट होने से टीम पर अनावश्यक दबाव आता है।

एशिया कप विवाद-हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर गहरा संकट, आईसीसी कर सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई (एजेंसी)। पिछले रविवार को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर भारत के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान आक्रामक व्यवहार और भड़काऊ इशारों के लिए आईसीसी कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को हारिस रऊफ पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। वहीं सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को गोलीबारी का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई। भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ इशारों के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान ने शुक्रवार को आईसीसी की सुनवाई में खुद को निर्दोष बताया।

गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर भड़काऊ इशारे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मामले की जांच शुरू की और शुक्रवार को दोनों खिलाड़ियों की सुनवाई पूरी की।

मैच रेफरी रिची रिचर्डसन की देखरेख में हुई सुनवाई के दौरान दोनों खिलाड़ियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया। दोनों ने लिखित जवाब भी सौंपे। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी जवाबी शिकायत दर्ज करते हुए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने मैच के बाद राजनीतिक बयान दिया। सूर्यकुमार ने भारत की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। हालांकि, सूर्यकुमार ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ श्रद्धांजलि देना था और उन्होंने किसी तरह की राजनीति नहीं की। आईसीसी ने उन्हें चेतावनी देते हुए भविष्य में इस तरह के बयानों से बचने को कहा।

गौरतलब है कि इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ही गहरा था, जो इस विवाद से और बढ़ गया है। स्थिति इस हद तक बिगड़ गई कि मैच से पहले टॉस और बाद में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया। अब जबकि आईसीसी का आधिकारिक फैसला सामने आना बाकी है, क्रिकेट से ज्यादा राजनीति और विवाद सुर्खियों में हैं। फाइनल से पहले इस मामले ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट को और गहरा कर दिया है और एशिया कप का रोमांच अब खेल से ज्यादा विवादों में उलझता जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मलावी में पूर्व राष्ट्रपति मुथारिका ने प्रतिद्वंद्वी चकवेरा को दी मात, चुनाव जीता

लिलोंग्वे, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश मलावी के पूर्व राष्ट्रपति पीटर मुथारिका ने चुनाव जीतकर मौजूदा राष्ट्रपति लाजरस चकेरा को पराजित कर सत्ता में वापसी की है। 85 वर्षीय मुथारिका ने 56 प्रतिशत वोट हासिल किए जबकि चकेरा को 33% वोट मिले। चकेरा ने टीवी पर भाषण देकर हार स्वीकार की। मुथारिका 2014-2020 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं, लेकिन 2020 में ऐतिहासिक पुनर्निर्वाचन में हार गए थे। चकेरा की लोकप्रियता महंगाई, ईंधन व खाद्य संकट और आर्थिक संकट के कारण घटी। मुथारिका ने अर्थव्यवस्था सुधारने का वादा किया है, हालांकि उनके पिछले कार्यकाल में भ्रष्टाचार और संकटों को लेकर आलोचना हुई थी।

यूएन में बोला चीन– कार्बन उत्सर्जन में कटौती करेंगे; नए जलवायु लक्ष्य की घोषणा की

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2035 तक उत्सर्जन में 7-10% कटौती का एलान किया है। चीन विश्व का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 31% से अधिक करता है। शी ने पवन व सौर ऊर्जा को छह गुना बढ़ाने, प्रदूषण-मुक्त वाहनों को मुख्यधारा बनाने और जलवायु अनुकूल समाज बनाने का वादा किया। यूरोपीय आयोग प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप के उत्सर्जन 1940 से 40% घटे हैं और नवंबर की वार्ता से पहले नई योजना प्रस्तुत होगी। शी और ब्राजील ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की आलोचना भी की।

निजी विमान वेनेजुएला में टेकऑफ के समय दुर्घटनाग्रस्त

कराकस, एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी काराकस के सिमोन बोलिवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय एक निजी लियरजेट-55 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वेनेजुएला की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संस्थान ने बताया कि विमान में मौजूद दो यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया और उन्हें चिकित्सकीय देखभाल के बाद स्थिर बताया गया। यह स्पष्ट नहीं हुआ कि विमान में अन्य लोग सवार थे या नहीं। सोशल मीडिया पर साझा वीडियो में हवाई अड्डे के रनवे से धुआं उठता दिखा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के अनुसार, यह विमान पिछले महीने वेनेजुएला, पनामा और क्यूबा में उड़ान भर चुका था।

कोलंबिया खदान हादसा : 43 घंटे फंसे रहने के बाद 23 खनिकों को बचाया गया

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के उत्तरी एंटिओक्विया में ला रेलिक्विया सोने की खदान धंसने के कारण 23 मजदूर फंस गए थे। करीब 43 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मुख्य सुरंग सोमवार को अचानक धंस गई थी। कोलंबिया की राष्ट्रीय खनन एजेंसी ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान मजदूरों को भोजन, पानी और वेंटिलेशन उपलब्ध कराया गया। खदान कनाडा की एरिस माइनिंग कॉर्प की जमीन पर है, लेकिन स्थानीय सहकारी द्वारा चलाई जाती है। भावुक माहौल में परिवार के लोगों ने तालियों से श्रमिकों का स्वागत किया। बता दें कि इस देश में अवैध और असुरक्षित खनन के कारण लगातार हादसे होते रहते हैं।

पाकिस्तान की एयरलाइंस को 5 साल बाद मिली ब्रिटेन की सीधी उड़ान की अनुमति

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने पांच साल बाद पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को देश में सीधी वाणिज्यिक उड़ान संचालित करने की अनुमति दे दी है। पीआईए अब अगले महीने से मैनचेस्टर के लिए यात्री और मालवाहक उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि जल्द ही बर्मिंघम और लंदन के लिए भी इन सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने 2020 में सुरक्षा चिंताओं के चलते अपने क्षेत्र में पीआईए के संचालन को निलंबित कर दिया था।

नावों पर हमले के लिए ट्रंप के खिलाफ चले केस: कोलंबिया

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस महीने कैरिबियन सागर में नावों पर हुए घातक हमलों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग की। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये नाव ड्रग्स ले जा रही थी। पेट्रो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में अपने भाषण में इन तीनों हमलों की निंदा की और ट्रंप पर गरीबी और प्रवासन को अपराध बनाने का भी आरोप लगाया।

ट्रम्प बोले- मैं यूएन में तीन साजिशों का शिकार हुआ, यूएन से की जांच मांग

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस भी शामिल होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में उनके साथ तीन संदिग्ध घटनाएं घटनाएं हुईं, जिनका वह शिकार बने। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की जांच अब सीक्रेट सर्विस करेगी। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने इस संस्था की निंदा की। ट्रंप ने कहा कि यह अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाई है। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी यूरोपीय देशों की रूस-यूक्रेन युद्ध में भूमिका और प्रवासियों को स्वीकार करने के तरीके की भी आलोनचा। उन्होंने अन्य विश्व नेताओं से कहा कि उनके देश पतन की ओर जा रहे हैं।

जिन लोगों ने यह किया, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए : अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रंप ने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र में तीन अशुभ घटनाओं के कारण उनका मूड बहुत खराब था। उन्होंने इसे अपने खिलाफ साजिश का हिस्सा बताया। पहली घटना में जब ट्रंप और उनके साथी एस्केलेटर (चलती हुई सीढ़ी) पर थे, तो वह अचानक रुक गई। ट्रंप ने इसे एक साजिश करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के एक वीडियोग्राफर ने गलती से एस्केलेटर के ऊपर स्थित स्टॉप मैकेनिज्म को सक्रिय कर दिया होगा। ट्रंप ने कहा, जिन लोगों ने यह किया उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

फुटेज संभालकर रखे यूएन, जांच करेगी सीक्रेट सर्विस: ट्रंप : दूसरी घटना में ट्रंप जब संयुक्त राष्ट्र में भाषण दे रहे थे, तो टेलीप्रॉम्प्टर अचानक बंद हो गया। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इस दावे में विरोधाभास यह है कि टेलीप्रॉम्प्टर का संचालन खुद व्हाइट हाउस करता है, न कि संयुक्त राष्ट्र। ट्रंप ने दावा किया तीसरी घटना में जब वह भाषण दे रहे थे, तो उनका माइक ठीक से काम नहीं कर रहा था। उनकी बात उन्हें लोगों तक पहुंच रही थी, जिनके पास कान में लगाने वाले अनुवादक उपकरण मौजूद थे। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी मेलानिया ने भी उन्हें बताया कि वह उनका भाषण ठीक से सुन नहीं सकी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह कोई संयोग नहीं था। यह तीसरी साजिश थी। उन्होंने इस मामले की जांच कराने की बात कही। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र से कहा कि एस्केलेटर के रुकने की फुटेज को संभालकर रखें, क्योंकि सीक्रेट सर्विस इस जांच में शामिल होगी।

संयुक्त राष्ट्र में एस्केलेटर के बंद होने की घटना आम बात है। कर्मचारियों और आगंतुकों को यह अच्छी तरह से मालूम है। हाल के महीनों में न्यूयॉर्क और जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों ने पैसे की कमी के कारण लिफ्ट और एस्केलेटर को बंद करने जैसे कदम भी उठाए हैं। यह समस्या अमेरिका से आंशिक रू से फंडिंग में देरी की वजह से है, जो संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा दाता है।

ट्रम्प के साथ यूएन में 3 गड़बड़िया : पहली घटना: मुख्य फ्लोर तक जाने वाला एस्केलेटर अचानक रुक गया। ट्रम्प ने कहा कि यदि वे और मेलानिया हैंडल पकड़े नहीं रहते, तो हादसा हो सकता था। उन्होंने इसे साजिश बताया और जिम्मेदारों की गिरफ्तारी की मांग की।

दूसरी घटना: 80वें यूएनजीए सत्र में भाषण शुरू करते समय टेलीप्रॉम्प्टर काम नहीं कर रहा था। ट्रम्प ने कहा, एस्केलेटर के बाद अब टेलीप्रॉम्प्टर भी खराब। यह क्या जगह है? इसके बावजूद उन्होंने बिना टेलीप्रॉम्प्टर के 57 मिनट का भाषण दिया।

तीसरी घटना: भाषण के बाद सभा हॉल में साउंड सिस्टम बंद था, जिससे दुनिया के अन्य नेताओं को ट्रम्प की बात सुनने के लिए ट्रांसलेटर के ईयरपीस का सहारा लेना पड़ा। ट्रम्प ने बताया कि भाषण के बाद मेलानिया ने कहा, मैंने एक शब्द भी नहीं सुना।

हम इजराइल से डरते हैं, सीरिया के राष्ट्रपति ने खुद कबूली ये बात

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी पहली ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज कराने के बाद, सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने मंगलवार को एक गंभीर चेतावनी जारी की है. उन्होंने कहा कि यदि इजरायल उनके देश की संप्रभुता का सम्मान करते हुए सुरक्षा समझौता करने में असफल रहता है, तो पूरा मध्य-पूर्व फिर से संकट के गर्त में जा सकता है. हालांकि शरा ने यह भी माना कि सीरिया इजरायल से खतरा नहीं पैदा करता बल्कि उन्हें खुद इजरायल से डर लगता है. दिसंबर में बशर अल-असद के लंबे शासन के बाद सत्ता संभालने वाले अहमद अल-शरा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता इजरायल के साथ स्थायी और सुरक्षित समझौते पर काम करना है. उन्होंने आरोप लगाया कि इजरायल जानबूझकर बातचीत में देरी कर रहा है और उनकी सीमाओं का उल्लंघन लगातार कर रहा है. शरा ने स्पष्ट किया कि सीरिया किसी भी तरह के देश के बंटवारे को स्वीकार नहीं करेगा और उनकी सरकार ड्रूज अल्पसंख्यक सहित सभी समुदायों के हितों की रक्षा कर रही है.

शरा ने बताया कि जॉर्डन पर दबाव है और अगर सीरिया बंटा तो इसका असर इराक और तुर्की पर भी पड़ेगा, जिससे क्षेत्र में स्थिरता खतरे में पड़ सकती है. उन्होंने याद दिलाया कि सीरिया ने डेढ़ दशक के खूनी युद्ध के बाद अभी-अभी स्थिरता की ओर कदम बढ़ाए है. मध्यस्थता कर रहे अमेरिका के विशेष दूत टॉम बैरक ने संकेत दिए हैं कि सीरिया और इजरायल के बीच डि-एस्केलेशन यानी तनाव कम करने का समझौता करीब है. इसके तहत इजरायल हवाई हमले और घुसपैठ बंद करेगा, जबकि सीरिया सीमा के निकट कोई भारी हथियार नहीं तैनात करेगा. बैरक ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के लिए पहला कदम होगा और सभी पक्ष अच्छे इरादों के साथ आगे बढ़ रहे हैं. गोलान हाइट्स के मुद्दे पर शरा ने कहा कि वे चाहते हैं कि इजरायल उनके क्षेत्र में तैनात सैनिकों को वापस बुलाए और हवाई हमले बंद करे. असद के शासन के पतन के बाद से इजरायल ने बार-बार सैन्य कार्रवाई की है ताकि सीरियाई सैन्य शक्ति को कम किया जा सके. साथ ही, दक्षिणी सीरिया में ड्रूज समुदाय पर हमलों को रोकने के लिए भी इजरायल ने हस्तक्षेप किया है. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सुरक्षा समझौते की घोषणा जल्द करने की इच्छा जता चुके हैं।

यूएनजीए के दौरान मिले अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री, जेलेंस्की ने पुतिन पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच अहम बैठक हुई। यह मुलाकात महासभा के इतर हुई, जिसकी पुष्टि रूस के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को की। इस बीच, महासभा के दूसरे दिन दुनिया के कई प्रमुख नेताओं ने सभा को संबोधित किया, जिनमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, ईरान के मसूद पेजेश्कियान, अर्जेंटीना के जेवियर माइली और सीरिया के अंतरिम नेता अहमद अल-शरा शामिल रहे। खास बात यह रही कि 60 से पहले बार ऐसा हुआ कि सीरिया के किसी नेता ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच पर भाषण दिया हो।

जेलेंस्की का संबोधन में रूस के खिलाफ सख्त संदेश : बता दें कि महासभा के दूसरे दिन जब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की सं बोधित कर रहे थे, तब रूस के खिलाफ उनका रवैया और संदेश सख्त था। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर कड़ा हमला बोला। जेलेंस्की ने कहा कि सभा में मौजूद कई देश या तो युद्ध में हैं या उससे बाहर निकले हैं या फिर युद्ध रोकने की कोशिश कर रहे हैं या खुलकर उसकी तैयारी कर रहे हैं। हमने कल राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की और कई अन्य मजबूत नेताओं से भी बात हुई। हम सब मिलकर बहुत कुछ बदल सकते हैं। हमें जो समर्थन मिल रहा है, उसके लिए मैं आभारी हूं।

जेलेंस्की ने सभी देशों से की अपील : जेलेंस्की ने आगे कहा कि जी7 और जी20 जैसे समूह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन असली जिम्मेदारी पूरे संयुक्त राष्ट्र समुदाय की है। उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे रूस की आक्रामकता के खिलाफ बोलें और अंतरराष्ट्रीय कानून और व्यवस्था की रक्षा में यूक्रेन का साथ दें। इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना पर भी नाराजगी जताई, जिसमें रूस एक स्थायी सदस्य है और वीटो पावर रखता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून तभी काम करता है जब आपके पास ऐसे ताकतवर दोस्त हों जो उसके लिए खड़े हों।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी: एआई पर चर्चा के दौरान सात बार अटके पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

न्यूयार्क, एजेंसी। वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की किरकिरी कोई नई बात नहीं है। ऐसे में एक बार फिर पाकिस्तान को इसी तरह की बेज्जती का सामना तब करना पड़ा जब पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में आयोजित एक उच्च स्तरीय बहस के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बोल रहे थे। इस दौरान ख्वाजा ने एक नहीं, दो नहीं कुल सात बार अटक गए, जो कि सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इतना ही नहीं इस बात को लेकर वे सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी हो रहे हैं।

बता दें कि ये बात तब की है जब यूएनएससी में ख्वाजा एआई को दोहरे उपयोग वाली तकनीक बताया। उन्होंने कहा कि यह जहां सामाजिक-आर्थिक तरक्की में मदद कर सकती है, वहीं इसके गलत उपयोग से असमानताएं बढ़ सकती हैं और वैश्विक शांति को खतरा हो सकता है। उन्होंने आगाह किया कि एआई के सैन्य इस्तेमाल को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत पूरी तरह नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्ष का जिक्र : पाकिस्तानी नेता ने आगे इशारों-इशारों में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर भी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हालिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान एक परमाणु संपन्न देश ने एआई आधारित हथियारों और क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जो एआई के सैन्य उपयोग के खतरे को दर्शाता है।

इस दौरान आसिफ ने कहा कि ऐसी एआई तकनीकों का उपयोग, जिनमें मानव का कोई सक्रिय नियंत्रण न हो, प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उन्होंने खास तौर पर चेताया कि एआई आधारित हथियार और नियंत्रण प्रणालियां युद्ध की संभावनाओं को बढ़ा सकती हैं, जिससे फैसले लेने का समय कम हो जाएगा और कूटनीतिक प्रयासों का मौका घटेगा।

सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने ख्वाजा : गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तानी नेता ख्वाजा आसिफ ने एआई के खतरों को गंभीरता से उठाया, लेकिन उनका भाषण भाषाई गलतियों से भरपूर रहा, जिससे वैश्विक मंच पर एक बार फिर पाकिस्तान को बेज्जती का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर जारी उनके वीडियो में वे कई बार वाक्यों को दोहराते या शब्दों को गलत उच्चारित करते दिखे, जिससे उनका भाषण सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का कारण बन गया।

डलास आईसीई केंद्र में गोलीबारी, एक बंदी की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

डलास, एजेंसी। अमेरिका के डलास शहर में बुधवार सुबह एक हमलावर ने पास की इमारत की छत से राइफल से गोलीबारी की। गोलीबारी का निशाना अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन केंद्र का दफ्तर था। इस हमले में एक बंदी की मौत हो गई, जबकि परिवहन वैन में सवार दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हमलावर ने बाद में खुद भी आत्महत्या कर ली। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने संदिग्ध की पहचान 29 वर्षीय जोशुआ जाह्न के रूप में की है।

हमले की वजह साफ नहीं हो पाई है। काश प्रमुख काश पटेल ने एक तस्वीर जारी की, जिसमें घटना स्थल से मिली गोली पर एंटी-आईसीई शब्द मार्कर से लिखा हुआ दिखाई दिया। यह घटना अमेरिका में हाल के सार्वजनिक और निशाना बनाकर किए गए हमलों में से एक है। दो हफ्ते पहले भी रूफटॉप से गोली चलाकर कंजरवेटिव नेता चार्ली किर्क की हत्या की गई थी।

लक्षित हिंसा के रूप में की जा रही घटना की जांच : होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा, हमलावर ने आईसीआई भवन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें एक वैन भी निशाना बनी। उसी दौरान बंदियों को गोलियां लगीं। घायल बंदियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर है। आईसीई एजेंटों को कोई चोट नहीं आई। एफबीआई ने कहा कि मामले की जांच लक्षित हिंसा के रूप में की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं दी गई।

अधिकारी सहायता की कॉल पर पहुंची पुलिस : डलास पुलिस प्रवक्ता जोनाथन ई. मानेर के मुताबिक, सुबह 6:40 बजे नॉर्थ स्टेमन्स फ्रीवे पर अधिकारी-सहायता के कॉल पर पुलिस पहुंची और पता चला कि पास की इमारत से सरकारी भवन पर गोलियां चलाई गई थीं। वेनजुएला से आए अप्रवासी एडविन कार्डोना ने बताया कि वह अपने बेटे के साथ सुबह 6:20 बजे दूसरी बिल्डिंग में एक अपॉइंटमेंट के लिए पहुंचे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। कार्डोना ने कहा, मैं अपने परिवार के लिए डरा हुआ था, क्योंकि वे बाहर खड़े थे। शुक्र है कि उन्हें कुछ नहीं हुआ।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर हमले रुकने चाहिए: वेंस : हमले के बाद आईसीई भवन को सुरक्षित किया गया और आसपास का इलाका खाली कराया गया। हाईवे पर यातायात रोक दिया गया। हमले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गईं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर लिखा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, खासकर आईसीई, पर लगातार हो रहे हमले रुकने चाहिए। टेक्सास के रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने भी राजनीतिक हिंसा खत्म करने की अपील की।

अगले महीने भारत आ सकती हैं कनाडा की विदेश मंत्री

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद अगले महीने भारत का दौरा करेंगी, जहां वह अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी। 2023 में दोनों देशों के संबंधों में खटास आई थी। जिसके बाद से कनाडा के किसी विदेश मंत्री का यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर आरोप लगाया था कि वह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने की साजिश में शामिल है। इसके बाद द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। लेकिन दोनों देशों के अधिकारी आपस में संपर्क में हैं और तारीख पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की कनाडाई समकक्ष से मुलाकात : इस साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार सुधर रहे हैं। इस मुलाकात के बाद से भारत और कनाडा ने संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। बुधवार को भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने ओटावा में रिड्यू हॉल में औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। इससे पहले कनाडा के कई शीर्ष अधिकारियों ने भी भारत का दौरा किया है।

राजनयिक कर्मचारियों की बहाली की तैयारी : पिछले हफ्ते भारत ने संकेत दिया कि वह कनाडा में अपने सभी राजनयिकों की बहाली पर विचार कर सकता है। दो साल पहले भारत ने कनाडा के दो-तिहाई राजनयिकों की कूटनीतिक सुरक्षा को हटा दिया था। जिसके बाद अक्तूबर 2023 में 41 कनाडाई अधिकारियों को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। पिछले शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि दोनों देश अपने-अपने मिशनों और वाणिज्य दूतावासों में क्षमता से जुड़ी समस्याओं को रचनात्मक तरीके से हल करने पर सहमत हुए हैं।

भारत और कनाडा के संबंध उस वक्त सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के मामले में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। इस आरोप के बाद भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। जवाब में भारत ने भी कनाडा के कई राजनयिकों को देश से निकाल दिया था। हालांकि, इस साल अप्रैल में संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी की जीत के बाद संबंधों को फिर से सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई।

अमेरिका बोला-भारत किसी से भी तेल खरीदे, रूस से नहीं, हम भारत को सजा नहीं देना चाहते, यूक्रेन जंग खत्म कराना मकसद

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भारत से अपील की है कि वह रूस से कच्चे तेल का आयात करने पर दोबारा सोचे। न्यूयॉर्क में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राइट ने कहा, आप दुनिया के किसी भी देश से तेल खरीद सकते हैं, बस रूस से नहीं। अमेरिका भी तेल बेचता है और बाकी देश भी। हम भारत को सजा नहीं देना चाहते, बल्कि युद्ध खत्म करना चाहते हैं और भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं।

राइट ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि भारत उसके साथ मिलकर काम करे। राइट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी चाहते हैं कि यह युद्ध जल्द खत्म हो। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और व्यापार सहयोग में भारत के साथ बहुत उज्ज्वल भविष्य है, लेकिन हमें मिलकर ऐसा तरीका निकालना होगा जिससे रूस पर दबाव डाला जा सके और यह युद्ध बंद हो। राइट ने बताया कि उन्होंने हाल ही में विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की और भविष्य में सहयोग पर बातचीत शुरू की है।

रूस ने कहा था- हमारे तेल का कोई विकल्प नहीं : रूस ने अगस्त में कहा था कि उसके कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि यह सबसे सस्ता है। सीनियर रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने उस समय बताया कि भारत को रूसी तेल पर लगभग 5 प्रतिशत की छूट मिल रही थी, जिससे उसे बड़ा मुनाफा हो रहा था। बाबुश्किन ने यह भी कहा था कि भारत समझता है कि तेल आपूर्ति बदलने का कोई विकल्प नहीं है और अमेरिका द्वारा लगाए गए दबाव को भी गलत बताया। यह बयान ऐसे समय में आया था जब भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ रहा था। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

रूसी तेल खरीदने से भारत पर एक्स्ट्रा 25 प्रतिशत टैरिफ : ट्रम्प प्रशासन अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगा चुका है। इससे पहले उसने 25 प्रतिशत रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है।

सस्ते रूसी तेल से भारतीय तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ा : वित्त वर्ष 2020 में भारत अपनी जरूरत का केवल 1.7 प्रतिशत तेल रूस से आयात करता था। ये हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गई है। रूस से सस्ता तेल खरीदने का फायदा ऑयल कंपनियों के मुनाफे पर भी दिखा है।

कंपनियों की फाइलिंग के मुताबिक...

2022-23 में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कुल मुनाफा 3,400 करोड़ रुपए था।

2023-24 में इन तीनों सरकारी कंपनियों का मुनाफा 25 गुना बढ़ गया। तीनों ने मिलकर 86,000 करोड़ रुपए कमाए।

2024-2025 में इन कंपनियों का मुनाफा कम होकर 33,602 करोड़ रुपए हो गया, लेकिन ये 2022-23 के मुनाफे से ज्यादा है।

बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और टीएमसी विधायक पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी। जस्टिस शुभ्रा घोष की बेंच ने जेल की शर्तों के अनुसार चटर्जी को अपना पासपोर्ट जमा करने और निचली अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर न जाने का निर्देश दिया। जस्टिस घोष ने यह भी कहा कि चटर्जी को मुकदमे के लंबित रहने तक किसी भी सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा। चटर्जी पर प्राइमरी स्कूल शिक्षकों, असिस्टेंट स्कूल शिक्षकों और शिक्षा विभाग में अन्य पदों पर अयोग्य उम्मीदवारों की अवैध नियुक्तियां करने वाले एक रैकेट में शामिल होने का आरोप है। ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पार्थ चटर्जी को 25 अप्रैल 2023 में गिरफ्तार किया था। 22 जुलाई को पार्थ और उनकी करीबी अर्पिता के 18 ठिकानों से ईडी ने रेड में 20 करोड़ कैश बरामद किया था। गिरफ्तारी के बाद से ही पार्थ जेल में है।

कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर में कांग्रेस नेता और प्रॉपर्टी डीलर लखपत सिंह कटारिया (55) को बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी। कटारिया को तीन गोलियां लगी। बताया जा रहा है कि कटारिया को हमलावरों ने रोककर गोली मारी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डीसीपी साउथ दिल्ली अंकित चौहान ने मौत की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, सुबह 9.53 बजे मालवीय नगर पुलिस थाने में विजय मंडल पार्क, बेगमपुर के पास गोलीबारी के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉलर ने बताया कि बाइक सवार दो हमलावरों ने लखपत सिंह कटारिया को पहले रोका और फिर उनको गोली मार दी है। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल लखपत सिंह कटारिया निवासी बेगमपुर को गोली लगने की सूचना के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ग्रीन पटाखे बनाने की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखा बनाने की इजाजत दे दी। कोर्ट ने कहा कि जिन मैन्युफैक्चरर्स के पास ग्रीन पटाखा बनाने के लिए एनईईआरआई और पीईएसओ का परमिट है, सिर्फ वे ही पटाखा बना सकते हैं। जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने मैन्युफैक्चरर्स के लिए एक शर्त भी रखी। बेंच ने कहा कि वे कोर्ट के अगले आदेश तक एनसीआर में कोई भी पटाखा नहीं बेचेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर पूरी तरह बैन न तो संभव है, न ही यह सही है। कोर्ट ने केंद्र से दिल्ली सरकार, पटाखा बनाने और बेचने वालों सहित सभी हितधारकों से बातचीत के बाद पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के फैसले को संशोधित करने का निर्देश दिया।

खोजी कुत्ते ने पांच मिनट में सुलझाया बच्चे की गुमशुदगी का राज

गोरखपुर (एजेंसी)। बिलुआताल इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब 11 वर्षीय छात्र लक्ष्य के अपहरण की आशंका में हड़कंप मच गया। बच्चा शाम 5 बजे ट्यूशन जाने वाला था, लेकिन जब वह घर से गायब मिला तो परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। पड़ोस की एक महिला ने कुछ युवकों के साथ बच्चे को जाते देखने की बात कही, जिससे परिजन और भी घबरा गए। लगभग दो घंटे की तलाश के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। दादा सदानंद सिंह की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। जिलेभर की पुलिस अलर्ट हो गई, नाकेबंदी हुई, 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, क्राइम ब्रांच सक्रिय हुई। चार घंटे तक कुछ हाथ न लगने के बाद मौके पर पहुंचे एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने डॉग स्क्वाड को बुलाया। डॉबरमैन टोनी को लक्ष्य का कपड़ा सुंघाया गया। टोनी ने कुछ ही मिनटों में पड़ोसी की छत पार करते हुए लक्ष्य के ही घर की दूसरी मंजिल पर एक कमरे की तरफ इशारा किया। वहां सोफे के पीछे मासूम गहरी नींद में सोता मिला। लक्ष्य ने बताया कि खेलते-खेलते देर हो गई थी, और ट्यूशन छूटने के डर से वह छिप गया था। बच्चे को सकुशल देखकर परिजन भावुक हो उठे। मोहल्लेवालों और पुलिस ने डॉग टोनी की प्रशंसा की, जिसकी सूंघने की क्षमता ने बड़ी चिंता को टाल दिया।

लद्दाख में हिंसा के बाद स्कूल, कॉलेज बंद, अब तक 50 लोग गिरफ्तार

लेह (एजेंसी)। लेह में अभी भी हालात सामान्य नहीं है। गुरुवार को भी कर्फ्यू जारी रहा। इससे पहले सुरक्षाबलों के साथ झड़प में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इस प्रदर्शन में अब तक 90 लोग घायल हुए हैं। हालात को देखते हुए लेह के जिला मजिस्ट्रेट ने शुक्रवार से दो दिन के लिए सभी सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। आंगनवाड़ी केंद्र भी बंद रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस अधिकारी ने बताया कि कर्फ्यू वाले इलाकों में स्थिति नियंत्रण में है। किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। हिंसा बढ़ने के कारण जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अपनी पखवाड़े भर से चल रही भूख हड़ताल को छोड़ना पड़ा। उन्होंने हिंसा की निंदा की। वांगचुक ने कहा कि यह लद्दाख के लिए सबसे दुखद दिन है। पिछले पांच सालों से हम जिस रास्ते पर चल रहे थे, वह शांतिपूर्ण था। उन्होंने युवाओं से अपील की कि हिंसा तुरंत बंद करें क्योंकि यह हमारे आंदोलन को नुकसान पहुंचाती है। केंद्र सरकार ने इस अशांति के लिए वांगचुक को ही जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि यह भीड़ द्वारा की गई हिंसा उनके 'भड़काऊ बयानों' से प्रेरित थी। वहीं, वांगचुक ने गृह मंत्रालय के आरोपों को 'बलि का बकरा बनाने की रणनीति' बताया, जिसका उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र की मूल समस्याओं से निपटने को टालना है। वहीं वांगचुक ने कहा कि वे चालाकी से किसी और को बलि का बकरा बना सकते हैं लेकिन वे बुद्धिमान नहीं हैं। इस समय हम सभी को 'चालाकी' की बजाय बुद्धिमत्ता की जरूरत है क्योंकि युवा पहले से ही निराश हैं। लेह एपेक्स बॉडी द्वारा लद्दाख के लिए छठी अनुसूची के विस्तार और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बुधवार को बुलाए गए बंद के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक कम से कम 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

डॉ मनमोहन की जयंती- पीएम मोदी ने योगदान को सराहा, खरगे बोले- वे आर्थिक सुधारों के जनक

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री, दिवंगत डॉ मनमोहन सिंह को जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को सराहना की। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ सिंह आर्थिक सुधारों के जनक हैं और उनके सुधारों से आज भी देश लाभान्वित हो रहा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी डॉ सिंह के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। एक्स पर अपने संदेश में उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। देश की सेवा में उनके वर्षों को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

इससे पहले कांग्रेस ने भी उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती के मौके पर शुक्रवार को देश के विकास में उनके योगदान को याद किया और कहा कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए ईमानदारी, बुद्धिमत्ता और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा के एक चिरस्थायी प्रतीक बने रहेंगे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम राष्ट्र निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के योगदान को याद करते हैं। वह भारत के आर्थिक परिवर्तन के एक सूत्रधार थे। वह विनम्रता और बुद्धिमत्ता के धनी थे तथा सबके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करते थे और अपने कार्यों से अपनी बातों को ज्यादा प्रभावशाली बनाते थे।

बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह लंबे समय तक राज्यसभा सांसद रहने वाले देश के चुनिंदा नेताओं में शुमार थे। वह लगभग 33 साल तक राज्यसभा सांसद रहे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नई वित्तीय और प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत की। वर्ष 1991 में वह पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। उसी साल वह 1991 से 1996 तक तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहे। सिंह का जन्म 26 सितंबर,1932 को पंजाब के गाह गांव में हुआ था जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। सिंह ने 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवाएं दीं। उनका 26 दिसंबर, 2024 को निधन हो गया। डॉ सिंह 1976 से 1980 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे थे। अप्रैल 1980 से सितंबर 1982 तक वह योजना आयोग के सदस्य सचिव रहे। सितंबर 1982 से जनवरी 1985 तक वह एक बार फिर रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे। जनवरी 1985 से जुलाई 1987 तक वह योजना आयोग के उपाध्यक्ष के पद पर रहे। इसके बाद वह 1987 से 1990 तक जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के पदों पर भी काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साल 1987 में पद्म विभूषण, साल 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल है।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में बरी हुए लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित को पदोन्नत करने का फैसला

मुंबई (एजेंसी)। मालेगांव बम विस्फोट मामले में बरी हुए लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित का 16 साल से रुका हुआ उनका सैन्य करियर आखिरकार अब गति पकड़ चुका है। सेना मुख्यालय ने उन पर अनुशासन और सतर्कता प्रतिबंध (डीवी) हटाकर उन्हें कर्नल के वरिष्ठ पद पर पदोन्नत करने का फैसला किया है। आपको बता दें कि कर्नल प्रसाद पुरोहित को 31 जुलाई, 2025 को मालेगांव बम विस्फोट मामले में आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले में कर्नल पुरोहित को लगभग 9 साल जेल में बिताने पड़े। अदालत के फैसले के बाद, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित के पिछले 16 सालों से उनके करियर पर लगे अनुशासन और सतर्कता प्रतिबंध को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेना के सूत्रों के अनुसार, इस प्रतिबंध को हटाने की फाइल दक्षिणी कमान को भेज दी गई है। इसके चलते उनकी पदोन्नति और अन्य सेवा अधिकारों को बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेना के नियमों के अनुसार, पुरोहित को 2008 में उनकी गिरफ्तारी के बाद डीवी प्रतिबंध के तहत रखा गया था। इस डीवी प्रतिबंध के कारण, अधिकारी का नाम पदोन्नति बोर्ड में नहीं जाता है। कर्नल के पद के लिए योग्य होने के बावजूद, पुरोहित का नाम कभी भी बोर्ड में शामिल नहीं किया गया, जिससे उनका पूरा सैन्य करियर रुक गया। डीवी प्रतिबंध हटाने की फाइल दक्षिणी कमान से दिल्ली स्थित सेना मुख्यालय भेजी गई थी। उच्चतम स्तर पर डीक्लासिफिकेशन और कानूनी मंजूरी मिलने के बाद, एक विशेष बोर्ड ने उनके पुराने पदोन्नति मूल्यांकन के परिणामों की जांच की। इस प्रक्रिया के बाद, अंततः उन्हें कर्नल के पद पर पदोन्नत करने का निर्णय लिया गया है। कर्नल पुरोहित 1994 में मराठा लाइट इन्फैंट्री में शामिल हुए थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि विस्फोट मामले में उन्हें राजनीतिक रूप से हेरफेर किया गया था

इंदौर में दशहरा पर शूर्पणखा का पुतला दहन करने को लेकर खड़ा हुआ विवाद

–रघुवंशी समाज ने किया विरोध, आरोपी सोनम का चेहरा लगाना गलत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में दशहरा पर शूर्पणखा का पुतला दहन करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रघुवंशी समाज इसका जोरदार विरोध कर रहा है और उन्होंने थाना और जिला कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। रघुवंशी समाज का आरोप है कि आयोजन में शूर्पणखा के पुतले पर सोनम रघुवंशी का नाम और चेहरा लगाना न केवल गलत है, बल्कि पूरे समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम है।

समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बुराई का प्रतीक दर्शाने के लिए किसी व्यक्ति विशेष या जाति का नाम जोड़ना समाज विरोधी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस आयोजन से सोनम रघुवंशी का नाम नहीं हटाया गया, तो समाज व्यापक आंदोलन करेगा। जिला अध्यक्ष पिंकी रघुवंशी ने कहा कि इस तरह का आयोजन महिला समाज का अपमान है और यह न केवल अवैधानिक बल्कि समाज विरोधी भी है। उनका कहना था कि जिन महिलाओं को इस आयोजन में शूर्पणखा के चेहरे के रूप में दर्शाया जा रहा है, वो केवल आरोपी है और उनके प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में दोष सिद्ध किए बिना उनका नाम इस प्रकार से जोड़ना गलत है।

वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर रघुवंशी ने आरोप लगाया कि संस्था जानबूझकर केवल 11 महिलाओं को निशाना बना रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अपराध पुरुष और महिलाएं दोनों करते हैं, तो केवल महिलाओं को क्यों चुना जा रहा है। उनके मुताबिक अखबारों और सोशल मीडिया पर इस आयोजन का प्रचार कर समाज और अन्य समुदायों की छवि धूमिल की जा रही है। सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद रघुवंशी ने भी इसे परिवार और समाज की प्रतिष्ठा पर हमला बताया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पूरी तरह से समाज की भावनाओं को आहत करने वाला है और इसे तत्काल निरस्त किया जाना चाहिए। जिला प्रशासन ने ज्ञापन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। रघुवंशी समाज के कड़े विरोध को देखते हुए यह आयोजन रद्द होगा या संशोधित, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

कांग्रेस में इतना दम नहीं... वो हिंसा की हिमाकत कर सके: सीएम अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। हाल ही में लद्दाख में हुई हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इस मामले में भाजपा ने हिंसा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बता दिया। भाजपा के इस कथित बयान पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पलटवार किया है। बाढ़ प्रभावित रियासी जिले के गांवों का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लद्दाख में कई चुनाव हार चुकी कांग्रेस में इतना दम नहीं है कि वहां वो हिंसा करा सके। हां ये बात अलग है कि भाजपा की आदत में है कि खुद की गलती दूसरे पर थोप दी जाए।

सीएम ने आगे कहा, अगर कांग्रेस इतनी शक्तिशाली होती कि वह लद्दाख में हिंसा भड़का सके तो उस पार्टी ने वहां परिषद का गठन क्यों नहीं किया? सीएम ने कहा, लद्दाख में पिछला परिषद का चुनाव किसने जीता? भाजपा ने, जबकि कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। जब चीजें गलत होती हैं तो भाजपा के लोग हमेशा बहाना बनाने लगते हैं और उसका ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ देते हैं।

उमर अब्दुल्ला ने बाढ़ प्रभावित रियासी जिले के गांवों का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उप राज्यपाल के नेतृत्व वाले लद्दाख प्रशासन को यह देखना चाहिए कि वह वहां शांति बनाए रखने और जरूरी कदम उठाने में क्यों विफल रहा? दरअसल, बुधवार को लेह में हुई हिंसा के लिए भाजपा ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। इस पर जब उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने दो टूक कहा कि जब लद्दाख में सरकार उनकी यानी भाजपा की है और वे शासन देने में विफल रहे हैं तो किसी और पर दोष क्यों मढ़ रहे हैं?

बुधवार को लद्दाख में भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक अन्य घायल हो गए। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार के आंदोलन का समर्थन करने वाले सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा कार्यालय और कई वाहनों को आग लगा दी थी। बता दें कि 5 अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया गया था। तभी से लद्दाख एक नया केंद्र शासित प्रदेश है, जहां उपराज्यपाल का शासन है। फिलहाल वहां भाजपा के नेता रहे कविन्दर गुप्ता उप राज्यपाल हैं।

मणिपुर में 8.467 किलो आईईडी बरामद, सफलतापूर्वक किया निष्क्रिय

इंफाल (एजेंसी)। असम राइफल्स ने मणिपुर के काकचिंग जिले में एक बड़े खतरे को टाल दिया है। असम राइफल्स ने शुक्रवार को आईईडी को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया है। उन्होंने इस ऑपरेशन की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए से दी। असम राइफल्स ने एक्स पर इस ऑपरेशन की कुछ फोटो भी शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा- असम राइफल्स ने वांगू पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के काकचिंग जिले में स्थित वांगू लमखाई रोड के पास 8.467 किलो की आईईडी को बरामद कर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया है। इस डिवाइस में टीएनटी, स्प्लिंटर्स, स्क्रू और एक डेटोनेटर शामिल था, जिसे असम राइफल्स के बम निरोधक विशेषज्ञों ने कुशलता से निष्क्रिय किया, जिससे नागरिकों की जान का बड़ा खतरा टल गया।

ट्रंप पर बरसे जयराम- निशाने पर पीएम मोदी... दोस्त दोस्त न रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा प्रहार किया है। रमेश ने मई 2025 के मध्य से अब तक ट्रंप की नीतियों और भारत के प्रति उनके रुख पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुए नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे आयोजनों पर भी तंज कसा और पूछा कि -दोस्त दोस्त न रहा?

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में बिंदुवार ट्रंप के उन फैसलों और बयानों का जिक्र किया, जिन्हें उन्होंने भारत के हितों के खिलाफ बताया। रमेश के मुताबिक, ट्रंप अब तक चार अलग-अलग देशों में, जिनमें संयुक्त राष्ट्र भी शामिल है, 45 बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम करवाने का श्रेय उन्हें जाता है। उनके अनुसार इसी कारण भारत का ऑपरेशन सिंदूर अचानक रोक दिया गया। उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असिम मुनीर को व्हाइट हाउस में अप्रत्याशित लंच पर बुलाया- वही व्यक्ति जिसके भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों के बाद पहलगाम आतंकी हमला हुआ था। ट्रंप ने अमेरिका-पाकिस्तान आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने की बात की। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते को मंजूरी दे दी है।

जयराम ने कहा, ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर दंडात्मक टैरिफ लगाए और एच वन बी वीजा व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया। उन्होंने रूस के साथ भारत के लंबे आर्थिक संबंधों को लेकर भारत को निशाना बनाया और दंडात्मक कार्रवाई की। रमेश ने यह भी उल्लेख किया कि रिपोर्टों के अनुसार, आज व्हाइट हाउस में ट्रंप की मुलाकात पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से होने वाली है।

इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति और उनकी अमेरिका के साथ बढ़ती नजदीकियों पर तंज कसते हुए पूछा, -नमस्ते ट्रंप का क्या हुआ? हाउडी मोदी का क्या हुआ? झप्पी कूटनीति का क्या हुआ? दोस्त दोस्त न रहा।

कांग्रेस नेता का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत-अमेरिका संबंधों में हाल के महीनों में कुछ तनाव देखने को मिला है। ट्रंप के कुछ हालिया निर्णयों और बयानों को भारत में नकारात्मक रूप से देखा जा रहा है, खासकर व्यापार और रक्षा सहयोग के मामलों में। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जयराम रमेश का यह हमला न केवल ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर है, बल्कि मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाता है, जिसने अमेरिका के साथ रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने का दावा किया था।

छात्राओं से छेड़छाड़ और वित्तीय गड़बड़ी के आरोपी चैतन्यानंद को बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

–बैंक खाते और फिक्स्ड डिपाजिट फ्रीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्राओं से छेड़छाड़ और करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी को अदालत से राहत नहीं मिली है। दिल्ली की एक अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करते हुए माना, कि आरोप बेहद गंभीर हैं और इस स्थिति में आरोपी को जमानत देना उचित नहीं होगा।

मामले की शुरुआत दिसंबर 2024 में हुई थी, जब एक प्रारंभिक ऑडिट में वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा हुआ। जांच से पता चला कि चैतन्यानंद ने 2010 में श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट नाम से एक नया ट्रस्ट बना लिया, जबकि पहले से ही एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त ट्रस्ट अस्तित्व में था। आरोप है कि नए ट्रस्ट के जरिए राजस्व और आय को डायवर्ट कर लगभग 20 करोड़ रुपये की संपत्ति का गबन किया गया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि बाबा के खिलाफ दर्ज आरोप केवल वित्तीय धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्थान और उससे जुड़े हितधारकों के विश्वासघात का भी मामला है। इसलिए, अग्रिम जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता।

इसी बीच, दिल्ली पुलिस ने जांच तेज करते हुए चैतन्यानंद से जुड़े 18 बैंक खाते और 28 फिक्स्ड डिपॉजिट फ्रीज कर दिए हैं। इन खातों में करीब 8 करोड़ रुपये जमा पाए गए हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह रकम उन्हीं ट्रस्टों से जुड़ी है जिन्हें आरोपी ने कथित तौर पर धोखाधड़ी से बनाया। छात्रों और पूर्व छात्रों ने भी बाबा के खिलाफ गंभीर खुलासे किए हैं। कई छात्रों ने बताया कि संस्थान के भीतर उसका एक पूरा नेटवर्क काम करता था। विरोध करने वालों को प्रताड़ित किया जाता, जबकि गरीब और कमजोर पृष्ठभूमि की लड़कियों को स्कॉलरशिप और करियर के लालच में फंसाकर उनका शोषण किया जाता था। शिकायतें पहले भी दर्ज हुईं, लेकिन कथित तौर पर बाबा के रसूख और पैसों की ताकत के कारण हर बार मामला दबा दिया गया। अब जब उसके खिलाफ कई परतें खुल चुकी हैं, पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पीड़ितों को उम्मीद है कि इस बार आरोपी अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके कानून से बच नहीं पाएगा।

मुल्ला मुनीर और जिनपिंग के उड़ने वाले हैं होश... अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल देगी मात

–रूस, चीन और उत्तर कोरिया के बाद भारत ने हासिल की ये तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में जुटा हुआ है। इसी कड़ी में गुरुवार को रेल मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल के परीक्षण के बाद अब भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के मुल्ला मुनीर और चीन के होश उड़ने वाले हैं। क्योंकि भारत की ये मिसाइल रेल के द्वारा लांच हो सकती है। इसकारण ये मिसाइल सिस्टम और भी ज्यादा घातक हो गया है। इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हुआ है, जो रेलवे नेटवर्क से मिसाइल लांच करने में सक्षम है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफलता को देश की सामरिक ताकत में वृद्धि का प्रतीक बताकर कहा कि अग्नि प्राइम मिसाइल 2,000 किलोमीटर तक की रेंज के साथ विभिन्न एडवांस तकनीकों से लैस है और यह मिशन दिव्यास्त्र का अहम हिस्सा है।

रेल मोबाइल से लांच का सबसे बड़ा फायदा यह है कि मिसाइल को किसी भी स्थान पर जल्दी और सुरक्षित तरीके से तैनात हो सकती है। इस तकनीक से दुश्मनों के लिए अप्रत्याशित हमले का खतरा बढ़ जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, अभी तक रूस, चीन और उत्तर कोरिया ही ऐसी तकनीक में माहिर थे। लेकिन अब भारत भी इस वैश्विक क्लब में शामिल हो चुका है, जिससे देश की सामरिक स्थिति और मजबूत हुई है।

अग्नि प्राइम तीन-स्तरीय कनस्तर प्रणाली वाली मिसाइल है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इसकी खासियत एमआईआरवी तकनीक है, जो एक ही मिसाइल से तीन से चार परमाणु हथियार अलग-अलग लक्ष्यों पर दागने की क्षमता देती है। इससे पिछली पीढ़ी की मिसाइलों की तुलना में अधिक सटीक और घातक परिणाम सुनिश्चित होते हैं। यह ठोस ईंधन पर आधारित मिसाइल है, जो तेज गति और बेहतर स्थिरता प्रदान करती है।

भारत ने अग्नि प्राइम की यह सफलता डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) और स्ट्रेटजिक फोर्सेज कमांड (एसएफसी) के संयुक्त प्रयास से हासिल की है। इसके सफल परीक्षण ने देश को रणनीतिक दृष्टि से मजबूत किया है और पड़ोसी देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक में पूरी तरह सक्षम है।

अग्नि प्राइम की विशेषताएं न केवल देश की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाती हैं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा मानचित्र पर भी प्रभावशाली बनाती हैं। इसकी मोबाइल लांच क्षमता, लंबी रेंज और एमआईआरवी तकनीक भारत को सामरिक संतुलन और सुरक्षा के मामले में मजबूत बनाती है। यह मिसाइल देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी है और इसके साथ ही मुल्ला मुनीर जैसी नापाक सोच रखने वाले देशों की नींद उड़ा देने की क्षमता भी इसमें मौजूद है।